राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें.....
9511151254

@swatantraprabhatmedia @swatantramedia RNI.No. (UHIN/2009/34814) (epaper.swatantraprabhat.com) @SwatantraPrabhatonline news@swatantraprabhat.com

सीतापुर से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

सीतापुर, बुधवार , 29 अक्टूबर 2025

वर्ष 16, अंक 60, पृष्ट 04, मूल्यः 01 रुपया

www.swatantraprabhat.com

गाज़ियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश , असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक हेल्पर की हुई मौत, नेशनल हाइवे पर हुआ हादसा...03

तीन नगरपालिकाओं में दोहराया गया भ्रष्टाचार का पैटर्न! धनपुरी में फिर विवादों में सीएमओ पूजा...04

तेजस्वी की तेजी को कांग्रेस ने लगाया ब्रेक! नीतीश ने शुरू कर दिया प्रचार, महागठबंधन में पसरा है सन्नाटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बिहार में चुनावी बिगुल सबसे पहले आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने बजाया. महीनों पहले जनता को लुभाने-पटाने के लिए तरह-तरह की घोषणाएं कीं. सरकार बनाने की शर्त भी लोगों के सामने रखी कि उनकी सरकार बनाएं तो वे 200 यूनिट फ्री बिजली देंगे. सामाजिक सुरक्षा पेंशन बढ़ा देंगे. हर महिला को मासिक 2500 रुपए देंगे. और, आखिर में ब्रह्मास्त्र फेंका- हर घर में एक आदमी को सरकारी नौकरी की गारंटी. चुनाव जीतने के ये तरीके अब पारंपरिक बन गए हैं. दिल्ली में 10 साल तक आम आदमी पार्टी की सरकार ऐसे ही वादों से बनती-चलती रही तो महाराष्ट्र में महायुति, मध्य प्रदेश में भाजपा और झारखंड में जेएमएम को ऐसे ही वादों पर सरकार बना लेने का मौका मिला. तेजस्वी ने इसे नायाब नुस्खा मान कर बिहार में भी आजमाने की कोशिश की. महागठबंधन कुनबे का विस्तार भी तेजस्वी का बढ़िया प्रयोग रहा. पर, तेजस्वी के ऐसे एक्सपेरिमेंट पर पानी फिरता नजर आ रहा है।

नीतीश ने तेजस्वी के वादों की हवा निकाल दी

तेजस्वी ने चुनाव की तारीखों के ऐलान से महीनों पहले अपनी 'चेंज मेकर' यात्रा से जनता को लुभाना शुरू कर दिया था. रोज-रोज नए वादे उन्होंने किए. उनकी सबसे बड़ी घोषणा हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी देने की रही. इसे वे अपना चुनावी ब्रह्मास्त्र मान रहे होंगे. नीतीश कुमार ने आहिस्ता-आहिस्ता उनके वादों की हवा निकाल दी. 1.21 करोड़ जीविका दीदियों के खाते में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के तहत 10 हजार रुपए भेज कर उन्होंने तेजस्वी का खेल बिगाड दिया. तेजस्वी ने 200 यूनिट फ्री बिजली की बात कही, तो नीतीश ने 125 यूनिट बिजली जुलाई 2024 से फ्री कर दी. 1.11 करोड़ लोगों को उन्होंने मुफ्त बिजली योजना का लाभुक बना दिया. सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि भी नीतीश ने 400 से बढ़ा कर 1100 रुपए कर दी. तेजस्वी ने 100 प्रतशत डोमिसाइल पालिसी का वादा किया तो नीतीश ने महिलाओं को नौकरी में डोमिसाइल नीति लागू कर दी. यूवा आयोग का भी तेजस्वी का वादा था. नीतीश ने पहले ही इसकी घोषणा कर दी. तेजस्वी की सबसे बड़ी घोषणा हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मानी गई, लेकिन नीतीश ने अगले 5 साल में एक करोड़ लोगों को रोजगार देने की घोषणा कर तेजस्वी की हवा निकाल दी।

कांग्रेस ने सीट फरियाने में बेमतलब देर कर दी

तेजस्वी के नेतृत्व वाले महागठबंधन में आरजेडी, कांग्रेस और वाम दलों के अलावा 3 और दलों को शामिल कर कुनबा तो बढ़ा लिया गया, लेकिन सबको संभालने में वे नाकाम रहे. पशुपति कुमार पारस की आरएलजेपी अलग हो गई. वीआईपी प्रमुख मुकेश सहनी के साथ जो सलूक हुआ, वह किसी से छिपा नहीं है. पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के दिन उन्हें 15 सीटें दी गईं. लेकिन उनका सबसे बड़ा संकट यह था कि उन्हें कई ऐसी सीटें भी तेजस्वी ने दीं, जिन पर पहले से आरजेडी के उम्मीदवार घोषित थे. उनमें कुछ के सिंबल तो आरजेडी ने वापस ले लिए, पर अब भी कई सीटों पर टकराव की स्थिति है. महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर कलह का आलम यह रहा कि आरजेडी, सीपीआई (एमएएल) और अन्य वाम दलों ने मनमाने तरीके से उम्मीदवारों को सिंबल देना शुरू कर दिया. सीट बंटवारे की घोषणा में देरी की वजह कांग्रेस बनी. तेजस्वी लगातार कांग्रेस नेताओं के संपर्क में रहे, लेकिन पार्टी ने अपना पत्ता नहीं खोला. हालांकि कांग्रेस ने बाद में तय फार्मूले के तहत ही अपनी सीटें घटाईं. फार्मूला यह था कि कांग्रेस 8 सीटें छोड़ेगी तो आरजेडी को 16 सीटें साथियों के लिए छोड़नी पड़ेंगी. इसलिए कि कांग्रेस से दोगुनी सीटों पर आरजेडी पिछला चुनाव लड़ा था. कांग्रेस ने अपना वादा

पूरा किया, लेकिन आरजेडी ने मानक तोड़ दिया. आरजेडी की नाराजगी शायद कांग्रेस द्वारा सीट बंटवारे में बेमतलब की देरी के कारण थी।

सीट बंटवारे पर घटक दल कायम नहीं रह पाए

ये कुछ ऐसी बातें महागठबंधन के साथ घटित हुईं, जिनसे तेजस्वी की रफ्तार धीमी पड़ गई. टिकट बंटवारे के फार्मूले के तहत कांग्रेस ने अपनी 70 की जगह 61 सीटों पर ही उम्मीदवार दिए, लेकिन तेजस्वी ने आरजेडी की सिर्फ एक सीट पिछले मुकाबले कम की. कांग्रेस और आरजेडी के बीच अनबन की बड़ी वजहों में एक यह भी है. सीटें बंटने के बावजूद एक सीट पर महागठबंधन के 2-2 उम्मीदवार उतार दिए गए. अब भी करीब दर्जन भर सीटें ऐसी हैं, जहां महागठबंधन के घटक दलों में टकराव की स्थिति बनी हुई है. इसे अब फ्रेंडली फाइट वाली सीटें बताया जा रहा है. इस मामले में सीपीआई (एमएल) ने बंटवारे की शर्तों का जरूर पालन किया है. उसे जितनी और सीटें दी गईं, उन पर ही उसने उम्मीवार उतारे हैं. दूसरे वाम दलों ने भी तय संख्या से अधिक सीटों पर अपने कैंडिडेट दे दिए हैं, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हुई है।

चुनाव प्रचार में महागठबंधन की सुस्त पड़ा

एनडीए ने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया है. नीतीश कुमार ने मुजफ्फरपुर से प्रचार अभियान की शुरुआत कर दी है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 24 अक्टूबर को बिहार आने वाले हैं. एनडीए के नेता अपने उम्मीदवारों के नामांकन के वक्त उनका उत्साह बढ़ाने के पहुंचे, लेकिन महागठबंधन के उम्मीदवारों को अपने नेताओं का सान्निध्य नहीं मिल पाया. हालांकि महागठबंधन के प्रमुख दलों- कांग्रेस और आरजेडी के हेलीकाप्टर पटना में खड़े हैं. नेता भी मौजूद रहे. पर, एनडीए की तरह महागठबंधन के किसी नेता ने इसकी जरूरत नहीं समझी. चुनाव प्रचार कब से शुरू होगा, इस बाबत भी किसी को कुछ पता नहीं है अलबत्ता सबने स्टार प्रचारकों की घोषणा जरूर कर दी है. दूसरी ओर एनडीए ने समय पर सीटों का बंटवारा कर लिया. उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी. नीतीश कुमार ने प्रचार अभियान की शुरुआत भी कर दी।

क्या महागठबंधन ने पहले ही मान ली है हार!

महागठबंधन में पसरे सन्नाटे और सुस्ती को देख कर यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या महागठबंधन ने परिणाम आने से पहले ही हार मान ली है. सीधे-सीधे हार की बात कहना मुनासिब तो नहीं लगता, लेकिन संकेत भी तो अच्छे नहीं दिख रहे हैं. भाजपा सांसद दिनेश शर्मा का कहना है कि तेजस्वी का करिश्मा फीका पड़ गया है. महागठबंधन ढहने को है. हालांकि चुनावी सर्वेक्षणों में तेजस्वी का आधार मजबूत दिखता है. C-Voter सर्वे में वे सीएम पसंद के टॉप पर रहे हैं. 121 सीटों पर होने वाले पहले चरण का मतदानः 6 नवंबर को है. बिहार का प्रमुख पर्व छठ 26 से 28 अक्टूबर तक है. यानी इससे पहले महागठबंधन का प्रचार अभियान शुरू हो पाएगा, इसमें संदेह है. चुनाव प्रचार मतदान से 24 घंटा पहले ही बंद हो जाएगा. यानी चुनाव प्रचार के लिए सिर्फ 6-7 दिन ही बचते हैं. बिहार में खूब सक्रियता दिखाने वाले राहुल गांधी अब कुछ नहीं बोल रहे. अध्यक्ष के नाते मल्लिकार्जुन खरगे का भी कोई बयान नहीं आ रहा. कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी ने भी चुप्पी साध ली है. तेजस्वी यादव भी कुछ नहीं बोल रहे. इस मौन का संकेत शुभ तो नहीं ही माना जा सकता।

नीतीश कुमार का नया पैंतरा, वोटिंग से ठीक पहले खड़ी कर दी 91 नेताओं की नई टीम

● जदयू ने विधानसभा चुनाव के लिए 91 सदस्यीय अभियान समिति का गठन किया है, जिसके अध्यक्ष रामनाथ ठाकुर और संयोजक उमेश सिंह कुशवाहा होंगे। संजय झा ने विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और नीतीश कुमार की ईमानदारी की सराहना की। उन्होंने राजद को परिवारवादी पार्टी बताया और कहा कि अति पिछड़ा समाज नीतीश कुमार के साथ है। कई नेताओं ने जदयू की सदस्यता ली।

पटना। जदयू ने विधानसभा चुनाव को ले 91 लोगों की अभियान समिति गठित की है। जदयू कोटे से केंद्र में मंत्री रामनाथ ठाकुर को इस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। वहीं, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा को इस कमेटी का संयोजक बनाया गया है। इस कमेटी में पार्टी के पदाधिकारियों के अतिरिक्त कई पूर्व सांसदों व विधान परिषद के पूर्व सदस्यों को भी शामिल किया गया है।

विपक्ष के मुख्यमंत्री पद के घोषित दावेदार भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं : संजय झा

दूसरी ओर, जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने गुरुवार को अपने एक्स हैंडल पर लिखा कि आज विपक्ष ने जिनको मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित किया है वह भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हैं। नौकरी देने के एवज में जमीन लेने के केस में आरोपित हैं और अब कोर्ट में पेश होंगे।

संजय ने कहा कि दूसरी ओर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पिछले 20 साल से ईमानदारी से बिहार और बिहारवासियों की सेवा कर रहे हैं। सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने के बावजूद उन पर न तो भ्रष्टाचार का और न ही परिवारवाद का कोई आरोप लगा है। बिहार के लोग 2025 से 30 तक नीतीश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनाने के लिए उत्साहित है।

राजद एक परिवार की पार्टी, अतिपिछड़ा समाज मजबूती से नीतीश कुमार के साथः संजय झा

जदयू के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने गुरुवार को कहा कि राजद एक परिवार की पार्टी है। अतिपिछड़ा समाज पूरी मजबूती के साथ नीतीश कुमार के साथ है। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित एक मिलन समारोह में उन्होंने यह बात कही। राजद से जुड़े अतिपिछड़ा समाज के कई नेता मिलन समारोह में जदयू की सदस्यता ग्रहण की।

वैशाली के पूर्व लोकसभा प्रत्याशी एवं राज्य मछुआरा आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष विजय कुमार साहनी, पूर्व विधानपार्षद गणेश भारती और कुंडल वर्मा ने जदयू की सदस्यतौ ली। इन तीनों नेताओं के साथ ही सैकड़ों कार्यकर्ता भी जदयू परिवार का हिस्सा बने।

संजय झा ने इस मौके पर कहा कि अतिपिछड़ा समाज पूरी मजबूती से नीतीश कुमार के साथ खड़ा है। इसका मुख्य कारण बीते 20 वर्षों में अतिपिछडा समाज के राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए किए गए कार्य हैं। उन्होंने कहा कि राजद केवल एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई है। आम जनता से कोई लेना-देना नहीं है।

इस अवसर पर विधानपरिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ, मुख्य सचेतक संजय कुमार सिंह उर्फ गांधी जी, प्रदेश महासचिव सह मुख्यालय प्रभारी (स्थापना) श्री चंदन कुमार सिंह, प्रो. नवीन आर्य चन्द्रवंशी, अनिल कुमार, वासुदेव कुशवाहा, अरविंद निषाद, मनीष कुमार यादव सहित जदयू के कई वरिष्ठ नेता उपस्थित थे।

संक्षिप्त ख़बरें

डीटीसी बसों से रोजाना 50 हजार नोएडावासी कर रहे सफर, इनमें 22 हजार महिलाएं शामिल

नोएडा। शहर में डीटीसी बसों का लाभ प्रतिदिन करीब 50 हजार लोग ले रहे हैं। इनमें करीब 22 हजार महिलाएं हैं। डीटीसी (दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन) की बसों में महिलाओं के लिए निश्शुल्क यात्रा की सुविधा है। नोएडा से दिल्ली और गुरुग्राम विभिन्न क्षेत्रों में अधिकांश महिलाएं नौकरी करने के लिए जातीं हैं। डीटीसी की ओर से स्थानीय स्तर पर कनेक्टिविटी बढ़ाने का प्रयास और किया जा रहा है।

स्थानीय स्तर पर डीटीसी की बसें मजबूती प्रदान कर रहीं हैं। सेक्टर 16ए स्थित डीटीसी सेंटर से वर्तमान में 68 बसें संचालित हैं। जो कि नोएडा से लेकर दिल्ली, हरियाणा के गुरुग्राम और फरीदाबाद तक अपनी सेवाएं प्रदान करती हैं।

डीटीसी के आकड़ों के अनुसार, जुलाई में करीब 6.26 लाख और अगस्त में 6.36 लाख पिंक पास जारी हुए। यानी दो महीनों में कुल 12.62 लाख से अधिक महिलाओं ने बसों में निशुल्क यात्रा की। खास बात यह है कि इनमें से प्रतिदिन 22 हजार महिलाएं नोएडा की हैं जो प्रतिदिन यात्रा करतीं हैं। दिल्ली सरकार के अधीन होने के चलते दिल्ली सरकार द्वारा संचालित पिंक सेवा योजना के तहत महिलाओं को फ्री में बस यात्रा की सुविधा देती हैं।

नोएडा से दिल्ली के बीच चलने वाले प्रमुख डीटीसी रूटों में

34 ए (नोएडा सेक्टर 37 से दिल्ली द्वारका)

392 (नोएडा सेक्टर 62 से नेहरू प्लेस)

534 (नोएडा सिटी सेंटर से पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन)

443 (नोएडा स्टेडियम से आईटीओ)

उप्रः देवरिया में तालाब में नहाने गए किशोर की डूबने से मौत

● सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बघौचघाट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बघौचघाट के थाना प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उत्तर प्रदेश में देवरिया जिले के एक गांव में रविवार सुबह तालाब में नहाने गए एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार देवरिया जिले के बघौचघाट थाना क्षेत्र के गांव बिदही में रविवार सुबह करीब दस बजे छोटू पाल (12) गांव के पास स्थित पोखरे

में नहाने गया था।

नहाते समय वह अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। उसके साथ गये बालकों द्वारा शोर मचाने पर गांव के ग्रामीण जुटे और उसे पानी से बाहर निकाला। अचेतावस्था में पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पथरदेवा ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची बघौचघाट पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बघौचघाट के थाना प्रभारी विशाल उपाध्याय ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्कूल-कॉलेज बंद, उड़ानें रद्द, रेड अलर्ट.... तमिलनाडु में बारिश का कहर, चक्रवाती तूफान मचाएगा तबाही

तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त है. चेन्नई में स्कूल बंद कर दिए गए हैं. मौसम विभाग की ओर से दक्षिण बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान की आशंका जताते हुए कई जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया है. अगले 24 घंटों तक बारिश जारी रहने की संभावना है

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत के कुछ राज्यों में अभी भी भारी बारिश का कहर जारी है. तमिलनाडु और पुडुचेरी में लगातार बारिश हो रही है। 24 घंटे से हो रही भारी बारिश के चलते राज्य के कई शहरों में हालात बिगड़ गए हैं. चेन्नई में स्कूलों में छुट्टियां कर दी गई हैं और साथ ही कई उड़ानें भी रद्द कर दी गई हैं.मौसम विभाग के मुताबिक बारिश का ये सिलसिला अभी थमने वाला नहीं है और अगले 24 घंटों तक जारी रहने की संभावना है. भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (ढ्रस्ष्ठ) ने कहा है कि दक्षिण बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान आने की संभावना है. मौसम एजेंसी ने आगे कहा कि इसके पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने की संभावना है और आज दोपहर तक उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और दक्षिणी आंध्र प्रदेश के तटों से दूर, दक्षिण-पश्चिम और उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक दबाव क्षेत्र में केंद्रित होने की उम्मीद है।

भारी बारिश का रेड अलर्ट

मौसम एजेंसी की ओर से तटीय तमिलनाडु के कई जिलों जैसे- विल्लुपुरम, कुड्डालोर, मयिलादुथुराई, नागपट्टिनम, तिरुवल्लूर, तंजावुर, पुदुकोट्टई और रामनाथपुरम के लिए बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि राजधानी चेन्नई को ऑरेंज अलर्ट पर रखा

गया है. राजधानी चेन्नई सहित दक्षिणी राज्य के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं, जिसने लोगों की जिंदगी पर असर डाला है. चेन्नई में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए हैं.

मरीना बीच पर तूफान का खतरा

इस बीच चेन्नई के फेमस मरीना बीच पर मौसम खराब है और उत्तर-पूर्वी मानसून के तेज होने के कारण तट पर तेज हवाएं चल रही हैं. यहां तूफान का खतरा बना हुआ है. मौसम विभाग के मुताबिक चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, रानीपेट, तिरुवन्नामलाई, कल्लाकुरिची, अरियालुर, पेरम्बलुर, तंजावुर, तिरुवरुर, नागपट्टिनम जिलों और कराईकल क्षेत्र में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. इसके साथ ही सलेम, तिरुचिरापल्ली, वेल्लोर, तिरुपत्तूर, धर्मपुरी और पुदुक्कोट्टई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर भी भारी बारिश होने की संभावना है।

सिस्टम से सवाल : फर्जी अस्पतालों में हो रही लगातार मौतो का जिम्मेदार कौन?

● आखिर किसके संरक्षण मैं फल फूल रहा इन मौत के सौदागरों का गोरख धंधा?

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी भले ही जिला अधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल के निर्देश पर दो सदस्य 16 टीम गठित किए जाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हो लेकिन यह टीमे हकीकत के धरातल पर सक्रिय नजर नहीं आ रही है। इसका जीता जागता उदाहरण जिला अधिकारी खीरी और सीएमओ डॉक्टर संतोष गुप्ता की नाक के नीचे गत माह कस्बा रामपुर में स्थित गैर पंजीकृत डाक्टर विहीन बालाजी हॉस्पिटल में हुई महिला की गलत ऑपरेशन से मौत है। सूत्र बताते हैं कि रामपुर स्थित बालाजी हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान ही महिला की मौत हो गई इसके बाद कथित डॉक्टर /अस्पताल संचालक अस्पताल पर ताला लगाकर नौ दो ग्यारह हो गए थे।मृतका नकहा की रहने वाली बताई गयी थी।पत्नी की असमय हुई मृत्यु से खौफजदा मृतका के पति ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर जिला अधिकारी को आपबीती सुनाते हुए न्याय की गुहार लगाईथी। जिस पर जिला अधिकारी खीरी के निर्देश पर सीएमओ डॉक्टर संतोष गुप्ता द्वारा स्वास्थ्य विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया था। यहां पर अहम सवाल उठता है कि आखिर कब तक यह मौत के सौदागर एक पति से उसकी पत्नी और बच्चों से उसकी मां की साया छीनते रहेंगे और मुख्य चिकित्सा अधिकारी डाक्टर संतोष गुप्ता एक माननीय के रसूख की दम पर जिनके वह बहुत ही खास बताये जाते हैं अपनी मनमानी करते हुये हो रही लगातार मौतो पर मौन साधे बैठै हुये

सरकार के ताबूत मे आखिरी कील ठोकते दिखाई पडते रहेगे।उक्त आरोप शहर के जानकार सम्मानित लोगो ने लगाये है।यहां पर और यक्ष प्रश्न खडा होता है किजब सोलह जांच टीमे गठित हुयी तो उसमे से किसी टीम ने शहर के आसपास के क्षेत्र रामापुर, महेवागंज, गोलारोड, लालपुर बैरियर, छाउछ, राजापुर आदि जगहो पर छापामार अभियान का आगाज क्यो नही किया? लोगो का कहना है कि कही कागजो पर ही तो नही दौड रही है 16 दो सदस्सीय जांच टीमे लोगो द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर संतोष गुप्ता पर तरह-तरह के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। चाहे वह उनकी मनमानी कार्यशैली और हिटलर शाही से आहत होकर दो डॉक्टरों का इस्तीफा दिए जाने का मामला हो या फिर जिला अस्पताल सहित जनपद के सामुदायिक केद्रों पर भारी कमीशन वाली दवाये बाहर से मरीजो को लिखे जाने और जे एस वाई के तहत प्रसूताओ को मिलने वाले पोष्टिक भोजन मे भारी भ्रष्टाचार का मामला हो ,या फिर कई अन्य मामले हो साहब पर इसका कोई असर पडता नजर नही आ रहा है। साहब अपने ए.सी. चैम्बर से बाहर निकलना उचित नही समझ रहे है। लोग पूछते है कि सी.एम.ओ.साहब आखिर कब तक मानक विहीन अस्पतालो द्वारागरीब बेसहारा लोगो की मजबूरी का फायदा उठाकर उनकी जान से खिलवाड करते रहेंगे। और जिम्मेदार आंख कान बंद किये मुकदर्शक बने मौतो का नंगा नांच देखते रहेगे।अब तक इन अवैध अस्पतालो मे कई मौते हो चुकी है। लेकिन विभागीय अधिकारियो पर कोई असरनही है। ऐसे मानक विहीन असपतालो पर कब ताबडतोड कठोर कार्यवाही करकेजनपद मे संचालित समस्त अस्पतालो/ अवैध क्लीनको/ डायग्नोस्टिक सेंटरो पर लगाम लगायी जायेगी यक्ष प्रश्न बना हुआ है।

आखिर सीज होने के चंद दिन बाद ही कैसे खुल जाते हैं सीज किये गये अस्पताल

सूत्र बताते हैं कि गत माह पूर्व रामपुर बाजार में संचालित मानक बिहीन दो अस्पतालों को सीज किया गया था जिसमें से एक अस्पताल फिर से चालू हो गया इससे सिस्टम में व्याप्त भ्रष्टाचार के आरोपो को बल मिलता दिखाई पड़ रहा है।

वर्जन- इस संबंध में जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी खीरी डॉक्टर संतोष गुप्ता से उनके सीयूजी नंबर 94 54 45 52 12 पर संपर्क करने का प्रयास किया गया तो कई बार घंटी बजती रही लेकिन साहब ने फोन उठाना उचित नहीं समझा। जिससे उनके पक्ष की जानकारी नही मिल सकी।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 कई मायनों में ऐतिहासिक है

देश के उत्तरभारत में बिहार का एक मुकाम है।बिहार के चुनाव पर पूरे देश की नजर है।इस परिणाम का असर भारतीय राजनीति पर पड़ेगा।प्रदेश में भाजपा और नीतीश कुमार गठबंधन की सरकार पूरे जोश के साथ चुनाव मैदान में उतर चुकी है।24 अक्टूबर को विधिवत मोदी के नेतृत्व में चुनाव प्रचार भी शुरु हो गया है।पार्टी को भरोसा है कि इस चुनाव में वो फिर से सत्तारुढ़ सरकार नीतीश कुमार के नेतृत्व में सरकार बनाएंगे।नीतीश कुमार के नेतृत्व में कोई चेहरा नही ठहरता है।बिहार देश की राजनीति की दिशा तय करेगा।बिहार को पहले लालू के कार्यकाल में पिछड़ा राज्य माना जाता था।लेकिन बीस साल से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सरकार ने बिहार को विकास योजनाओं के साथ जोड़कर महिलाओं और युवाओ को नई दिशा दी है।लालू के कार्यकाल में सरकार की आलोचनाएं होती थी।लेकिन देश के सर्वाधिक सरलमना मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पिछले 20 वर्षों के लगातार सत्ता में रहने से बिहार की दिशा और दशा दोनो बदल दी है।उन्होंने प्रदेश की छवि बदल दी है तो लोगो ने अपने दिलो में नीतीश की छवि अंकित कर दी है।आज देश मे ही नही,विदेश में ही उनकी छवि विकास पुरुष की बनी है।सत्तापक्ष की नही,आज तो विपक्ष भी नीतीश कुमार को लोकप्रिय और विकास् प्रिय बताता है।इसमें कोई संदेश नही है कि मुख्यमंत्री नीतिश कुमार की कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता और कार्य प्रतिबद्धता ने सूबे में विकास की छंटा चारो और बिखेर दी है।पिछले वर्षों में नीतीश कुमार ने अपने परिश्रम के साथ,प्रदेश की तस्वीर बदलने के लिए ऐसी अनेक परियोजनाओं को कार्यान्वित किया है कि जिनसे समाज के सभी वर्गो के लोग लाभान्वित हुए है।गरीब, किसान,नौजवान,महिलाएं,व्यापारी,अधिवक्ता, शिक्षक,अल्पसंख्यक और समाज के दलित-वंचित उपेक्षित वर्ग को उन्होंने सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर दिया है।लाखो लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजनाओ के तहत नए घर आवंटित किए है।इन योजनाओं की सफलता के पीछे नीतीशकुमार कीसमयबद्ध ढंग से कार्य करने की इच्छाशक्ति रही है।ये सबका साथ,सबका विकास और सबका प्रयास की अवधारणा पर चलने वाले विकास पुरुष है।जिनकी इमेज विपक्ष में भी खासा महत्व रखती है।अज्ञातशत्रु ऐसे महान दार्शनिक नीतीश कुमार ने बिहार की जनता को साथ लेकर चलने और गरीब लोगों के उत्थान के लिए समय समय पर कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए हमेशा पर्यटनशील रहते है।दया और परोपकार जिनका मिशन है,वे राजनीति से बढ़कर मानवतावाद को महत्व देते है।नीतीश कुमार की एक विशेषता है कि प्राथमिकताएं तय कर,वह सुनियोजित ढंग से योजनाओं को समयबद्ध चरणों मे पूरा करते है।उनकी साफ छवि बार बार जीत का कारण है।वे गांव और शहर के संतुलित विकास के पक्षधर है।नीतीश कुमार की अनेक कल्याणकारी योजनाएं महिलाओ के लिए लॉन्च की गई है।युवाओ का नवतर प्रयोग के माध्यम से आय के स्त्रोत खड़े करने में नीतीश की दूरदर्शिता महत्वपूर्ण है।नीतीश ने अपने शासनकाल में अपवाद को छोड़कर कानून व्यवस्था को सर्वाधिक महत्व दिया है।बिहार का परिणाम सुखद रहा है। नीतीश ने बिहार को किसान हितैषी बनाने की दिशा में कारगर कदम उठाए है।वैसे भी एनडीए का मिशन है कि किसान और स्वदेशी के इस महान मुहिम के पीछे सरकार हर समय अलर्ट मोड़ में नजर आएगी।स्वदेशी पर जोर देकर देश के युवकों को रोजगार से ज्यादा से ज्यादा जोड़ने का महत्वपूर्ण संकल्प सरकार की पहली प्राथमिकता रही है और राज्य सरकार के हाथ मजबूत करने के लिए केंद्र भी मदद कर रही है।गन्ना किसान हो या रबी की फसलों पर सरकार फायदा पहुंचाने का हर समय प्रयास कर रही है।लाभकारी समर्थन मूल्यो की उपलब्धता से किसानों की आय के स्त्रोत बढ़े है।किसान अन्नदाता है।किसान की अवहेलना कर कोई भी सरकार सफल नही हो सकती है।जिस तरह पूर्ववर्ती सरकारों को अनदेखा कर राजनैतिक दलों की दुर्दशा हुई है उसकी भरपाई आज दिन तक नही हो सकती है।उनकी क्षतिपूर्ति करना मासी का घर नही है।नीतीश कुमार ने किसानों के लिए महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम दिया है। बिहार में अभी हाल ही में महिलाओ के लिए मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना और मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना के अंतर्गत दस हजार की रकम सीधे 75 लाख महिलाओ के खातों में हस्तांतरित किया गया।महिला उद्यमी योजना के तहत दस लाख रूपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है इसमें 50 प्रतिशत अनुदान और 50 प्रतिशत ब्याज मुक्त ऋण शामिल है।मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना,बिहाराशन कार्ड योजना और किसान निधि योजनाओ का लाभ धारक उठा रहे है।बिहार में धन धान्य कृषि योजना और दलहन कृषि योजना मुख्यरूप से किसानों के लिए है।आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान चलाया जा रहा है।बिहार में सुकन्या समृद्धि योजना में डेढ़ लाख रुपए की वार्षिक योगदान दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना कोविड-19 महामारी के दौरान गरीबों और जरूरतमंदों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए शुरू की गई थी। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों सहित सभी नागरिकों के लिए एक सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा प्रणाली प्रदान करती है। राष्ट्रीय सामाजिक सहायता कार्यक्रम यह ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संचालित एक कार्यक्रम है। विधवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करती है। मुख्यमंत्री भिक्षावृत्ति निवारण योजना के तहत भिक्षावृत्ति को रोकने के उद्देश्य से शुरू की गई है। प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजनाऔर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ये वित मंत्रालय द्वारा संचालित बीमा योजनाएं है। प्रधानमंत्री आवास योजना गरीबों के लिए आवास की सुविधा प्रदान करती है। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन शहरी गरीबों की गरीबी और असुरक्षा को कम करने के लिए शुरू की

गई है। वृद्धावस्था के लिए एकीकृत कार्यक्रम वरिष्ठ नागरिकों को भोजन, आश्रय, चिकित्सा देखभाल जैसी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करता है। इन योजनाओं का लाभ बिहार सरकार दे रही है।इतना ही नही युवकों के लिए योजना का द्वार खुला हुआ है ।20 से 25 वर्ष की आयु के बेरोजगार युवाओ के लिए योजना उपलबन्ध है।मुख्यमंत्री स्वयं सहायता भत्ता योजना का लाभ युवाओं के लिए खास है इसका लाभ अर्जित कर सकते है। बिहार में हर वर्ग के लिए रोजगार के नए आयाम पेश कर नीतीश कुमार ने बिहार के लिए समृद्धि के द्वार खोल दिये है।साम्प्रदायिक शक्तियों को सत्ता में आने से रोकने के लिए जनता को चुनाव में अपनी जवाबदेही निश्चित करनी है।बिहार में मोदी की सभा मे हुजूम उमड़ता देख विपक्ष भौचक्का रह गया।नए बिहार की यह भौर के सुनहरे सपने को सफल करने का प्रयास हो रहा है। बिहार में नीतीश कुमार के शासनकाल मे भागीदारी का स्पष्ट संदेश है कि उनका समर्थन साम्प्रदायिकता के विरुद्ध और बदलते भारत मे बीच बिहार की अपनी भूमिका को उजागर करना है।नीतीश कुमार का पिछले 20 वर्षो के शासन कालमें तेजी से सूबे की तस्वीर बदली है।अपार जनसमर्थन के बाद यह बयार पूरे प्रदेश में फैल रही है जो नीतीश कुमार को फिर से मुख्यमंत्री बनाने में निर्णायक होगी।

कांतिलाल मांडोत

बिहार का विकास जात पात के दलदल से मुक्त होने पर ही संभव

इस समय देश भर की सारी निगाहे बिहार मे होने वाले विधानसभा पर टिकी हुई हे ! बिहार देश का वह राज्य हे जिसका कभी स्वर्ण युग भी था ! आज भी जब भी कभी भारतीय राजाओ का बखान होता हे तो बिहार के मगध, गुप्त ओर मौर्य वंश के प्रतापी राजाओं का ही सबसे पहले नाम लिया जाता हे !

शिक्षा के क्षेत्र मे भी देश मे कही नाम लिया जाता हे तो बिहार के नालंदा ओर तक्षशिला की तपोभूमि का ही उल्लेख सबसे पहले आता हे ! बिहार देश का एक ऐसा राज्य था जो अतीत मे समृद्धशाली वेभवशाली ओर प्राचीन संपदाओ से युक्त राज्य था ओर बिहार कि भूमि भगवान बुद्ध के ज्ञान ओर भगवान महावीर की जन्मभूमि होने से वेसे ही पवित्र पावन धरा मानी गई हे लेकिन देश कि आजादी के बाद से बिहार का जिस हिसाब से विकास होना था ओर देश के विकसित अग्रणी राज्यों कि जमात मे शामिल होना था उस हिसाब से बिहार का विकास करने कि बजाय बिहार के कुछ कतिपय सत्ता स्वार्थी नेताओ ने बिहार मे जातपात ओर ऊच नीच कि राजनीति कर बिहार को देश के सबसे पिछड़े राज्यों कि जमात मे शामिल कर दिया था ! बिहार राज्य को जातपात की राजनीति मे बाटकर उसका विकास अवरुद्ध कर बिहार के दामन के पर राजनीति गुंडागर्दी, हत्याए, अपहरण, डकेती, फिरोती ओर बढ़ते अपराधों ने गोतम बुद्ध ओर महावीर स्वामी की इस शांत धरा को अशांत कर दिया हे ! बिहार मे राजनीतिक सत्ता पाकर जीतने बड़े चर्चित घोटाले जिन सरकारों मे हुए ओर उन राज्य सरकारों के प्रमुखों को देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा अपराधी घोषित किया जा चुका हो वही नेता आज जब विधानसभा के हूनए वाले चुनावों मे अपने लिए वोट मांगते नजर आते हे ओर सत्ता मे आने का दावा करते हे तो बेशक बिहार के भाग्य पर तरस आता हे ! बिहार की इस हालत के लिए देश के सबसे बड़े राजनीतिक दल खुद जिम्मेदार हे जिन्होंने सत्ता के लिए राजनीतिक समझोते क्षत्रिय दलों से किए हुए हे ! काग्रेस जो देश कि सबसे पुरानी ओए सबसे बड़ी देश कि राजनीतिक पार्टी हे जिसकी बिहार राज्य मे कभी अपने अकेले के दम पर राज्य सरकारे हुआ करती थी वही काग्रेस कि हालत आज बिहार मे इतनी खराब हो चुकी हे की बिना राजद लालू के सहारे काग्रेस को आज बिहार मे अपने बूते दर्जन भर भी सीट लाने कि उम्मीद नहीं लगती हे ! देश के दूसरे सबसे बड़े राजनीतिक दल भाजपा जो कि अपने बूते बिहार मे सबसे ज्यादा सीट जीतने का माद्दा तो रखती हे लेकिन फिर भी बिना नीतीश या क्षत्रिय दलों के नेताओ के अपने बूते अकेले सरकार बनाने की बात नहीं कर रही हे जिससे बिहार के मतदाता को तीसरे विकल्प के रूप मे कोई नहीं होने से मजबूरी वश दोनों ओर से बने गठबंधनों के दलों मे से ही किसी को चुनना हर बार कि तरह मजबूरी बन गया हे ! बिहार मे आज क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियां जात पात ओर धर्म की राजनीति बैसाखी के सहारे इतनी मजबूत हो चुकी हे कि कोई भी देश का सबसे बड़ा राजनीतिक दल बिहार के चुनाव मे अकेले उतरने की हिमाकत नहीं कर पा रहा हे !

देश के सबसे बड़े राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओ द्वारा हर बार बिहार मे अकेले चुनाव लड़ने कि वकालात पार्टी सुप्रीमो से कि गई हे किन्तु आम कार्यकर्ताओ की बात पार्टी के सुप्रीमो द्वारा नकारी ही जाती रही हे जिसका परिणाम यह हुआ कि काग्रेस जेसी सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टी बिहार मे अपना जनाधार खोती गई ओर आज खुद हालत क्या हे यह सब देख ही रहे हे ! बिहार का यदि देश कि सबसे बड़ी राष्ट्रीय पार्टीया भाजपा हो काग्रेस या कोई अन्य दल यदि वास्तविक धरातल पर अंतिम बिहारी तक का विकास करना चाहते हे तो क्षेत्रीय दलों से मुक्त होकर अकेले मेदान मे उतरना होगा या फिर उनकी नहीं अपनी शर्तो पर क्षेत्रीय दलों को साथ रखकर सारे सूत्र खुद अपने हाथों मे रखकर चुनावी समर मे कुदना होगा तभी बिहार का जनमानस बदलाव का कोई मूड बनाता नजर भी आएगा ! आज बिहार की जनता लालू यादव हो या तेजस्वी या फिर नीतीश कुमार ही क्यू न हो वह इन चेहरों को अब फिर से मुख्यमंत्री देखना ही नहीं चाहती हे ! बिहार कि जनता भी पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश कि तरह योगी आदित्यनाथ जेसा मुख्यमंत्री चाहिए जो जनता के मर्म को समझ सके ओर उसके अनुरूप कार्य कर सके ! बिहार की जनता ओर युवा पीढ़ी जात पात ओर ऊच नीच के दलदल से मुक्त होकर अपना विकास देखना चाहती हे ! बिहार कि पूरी एक पीढ़ी क्षेत्रीय दलों के शासन से ऊब चुकी हे वह अब बदलाव चाहती हे बिहार मे इसके लिए उसकी आस देश के सबसे बड़े राजनीतिक दलों से हे लेकिन विडंबना यह हे कि क्षेत्रीय दलों के नेताओ कि सत्ता स्वार्थ कि लालसाओ के चलते एक बार फिर बिहार चुनाव मे धनबल ओर बाहुबल के आसरे जातिवाद के भवर मे धसता दिखाई दे रहा हे !

यदि देश कि सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टीया बिहार का विकास करना चाहती हे तो जात पात दलदल से खुद को मुक्त कर बिहार के विकास के नाम पर उसके स्वर्ण युग को वापस लाने के नाम पर मेदान मे उतरने का साहस करके दिखाये राह आरंभ मे कठिन चुनोती भरी जरूर लगेगी लेकिन अंतोगत्वा आसान हो जाएगी ! बिहार का विकास जात पात के दलदल से मुक्त होने पर ही संभव हे !

अरविन्द रावल

वैश्विक युद्ध के मुहाने पर बैठी दुनिया

यूरोप बनाम एशिया।

आज सम्पूर्ण मानवता एक गहन संकट के मुहाने पर खड़ी है। विश्व के कई क्षेत्र बारूद के ढेर पर बैठे हैं, और पृथ्वी मानो तीसरे विश्वयुद्ध की कगार पर झूल रही है। युद्धों की आग ने न केवल सीमाएँ जलायी हैं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं, अर्थव्यवस्थाओं और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य को भी राख में बदल दिया है। ताजा परिदृश्य में इज़राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष विराम तो मिला है परंतु इस भयानक युद्ध ने गाज़ा पट्टी को मानवीय त्रासदी का केंद्र बना दिया है। बच्चे भूख से मर रहे हैं, महिलाओं के पास चिकित्सा और भोजन का अभाव है। अनाज और आटे की भारी कमी ने जीवन को असंभव बना दिया है। अस्पतालों में दवाइयाँ नहीं हैं, और घायल नागरिक खुले आसमान के नीचे तड़प रहे हैं। लेबनान द्वारा इज़राइल पर हालिया हमले ने स्थिति को और भयावह बना दिया है जिससे अमेरिका के युद्धविराम प्रयासों पर प्रश्नचिह्न लग गया है। यह सब एक बार फिर साबित करता है कि युद्ध किसी राष्ट्र का नहीं, पूरी मानवता का शत्रु है। रूस-यूक्रेन युद्ध तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है। हज़ारों सैनिक और नागरिक मारे जा चुके हैं, शहर खंडहर बन चुके हैं। यूक्रेन द्वारा रूस पर 100 से अधिक ड्रोन हमले करने के बाद अब रूस के पास भी गोला-बारूद की कमी की खबरें हैं। रूस ने कई बार परमाणु हथियारों के उपयोग की खुली धमकी दी है जो विश्व के लिए सबसे बड़ा भय है।यह युद्ध अब केवल दो देशों का संघर्ष नहीं, बल्कि वैश्विक शक्तियों का प्रत्यक्ष और परोक्ष मुकाबला बन चुका है। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग-उन 2022 के बाद से 100 से अधिक मिसाइल परीक्षण कर चुके हैं, जिनमें कुछ अमेरिका, जापान और दक्षिण कोरिया को लक्ष्य बनाकर की गई हैं। उधर चीन और ताइवान के बीच तनाव दिन-ब-दिन बढ़ता जा रहा है। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अपनी विस्तारवादी महत्वाकांक्षा को लेकर ताइवान पर हमला करने की तैयारी में हैं, और अमेरिका का परोक्ष समर्थन ताइवान को युद्ध के मैदान में धकेल रहा है। डोनाल्ड ट्रंप के दोबारा अमेरिका के राष्ट्रपति बनने के बाद वैश्विक राजनीतिक परिदृश्य अस्थिर हुआ है। ट्रंप की व्यावसायिक सोच और हथियार उद्योग से जुड़ा लाभ का समीकरण अमेरिका को कभी भी युद्धविराम की ओर नहीं जाने देगा। दरअसल, अमेरिका, रूस, चीन,

उत्तर कोरिया और नाटो देश – सभी अपने-अपने हथियार उद्योग के आर्थिक लाभ में युद्ध को अवसर की तरह देखते हैं। नभारत ने सदैव शांति और संयम का मार्ग अपनाया है।'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवाद के ठिकानों को नष्ट करने के बाद भारत ने युद्ध की बजाय कूटनीति का रास्ता चुना – यही उसकी राजनैतिक परिपक्वता का प्रमाण है।रूस के साथ पारंपरिक मित्रता और अमेरिका के साथ हाल के वर्षों में सुदृढ़ संबंध भारत को एक संतुलनकारी शक्ति के रूप में स्थापित करते हैं। यही संतुलन आज विश्व शांति की सबसे बड़ी उम्मीद है।रूस-यूक्रेन संघर्ष, इज़राइल-गाज़ा युद्ध, चीन-ताइवान विवाद और उत्तर कोरिया की परमाणु धमकियाँ इन सबने एक परमाणु युद्ध की पृष्ठभूमि बना दी है।यदि यह चिंगारी भड़क उठी तो पाकिस्तान और खाड़ी देश भी इसमें खिंच जाएंगे और तब यह पृथ्वी मानव इतिहास की सबसे बड़ी विनाशक आपदा झेल सकती है। इतिहास गवाह है कि युद्ध ने कभी किसी राष्ट्र को गौरव नहीं दिया – केवल लाशों का अंबार और पीढ़ियों की पीड़ा दी है।आज जब विश्व एक क्लिक में जुड़ा है, तो एक मिसाइल भी पूरे सभ्य संसार को नष्ट कर सकती है। इसलिए आवश्यकता है कि राष्ट्र अपने स्वार्थ, अहंकार और सत्ता की भूख को त्यागें और यह स्वीकार करें कि "युद्ध किसी की जीत नहीं, सबकी हार है।"

संजीव ठाकुर

संपादकीय

रिश्ते भी पौधों की तरह हैं – समय और प्यार से ही खिलते हैं

अपनों के बिना हासिल सारी सफलताएँ अधूरी हैं

ऑनलाइन हम, पर अपनों से ऑफलाइन: रिश्तों की खामोश दूरी

आज की तेज़ रफ़्तार ज़िंदगी में एक सवाल बार-बार मन को कुरेदता है–क्या हम वाकई अपनों के लिए समय निकाल पाते हैं? यह सवाल साधारण-सा लगता है, मगर इसके जवाब में छिपी सच्चाई हमारे जीवन की स्याह हकीकत बयान करती है। हम ऐसी दुनिया में जी रहे हैं, जहां समय की कीमत अनमोल रत्नों से भी बढ़कर हो गई है। सुबह की शुरुआत मोबाइल के अलार्म से होती है, और रात स्क्रीन की नीली रोशनी में डूबकर ख़त्म। इस आपाधापी में हम उन रिश्तों को अनदेखा कर रहे हैं, जो कभी हमारी दुनिया का आधार थे। माता-पिता की मुस्कान, बच्चों की मासूम बातें, दोस्तों के साथ बेफिक्र लम्हे, या जीवनसाथी के साथ वो सुकून भरे खामोश पल–ये सब अब धीरे-धीरे हमारी प्राथमिकताओं से बाहर हो रहे हैं। पहले वक्त था, जब परिवार का मतलब था–सबका एक साथ डाइनिंग टेबल पर बैठना, दिनभर की कहानियां बांटना, और हंसी-ठहाकों में समय का अहसास ही खो जाना। आज वही परिवार एक छत के नीचे रहकर भी अलग-अलग स्क्रीनों में बंटा हुआ है। माता-पिता टीवी के सामने, बच्चे हेडफ़ोन के साथ यूट्यूब में खोए, और हम सोशल मीडिया के अंतहीन भंवर में डूबे। हमारी उंगलियां स्क्रीन पर तो दौड़ती हैं, लेकिन अपनों के दिल की बात पढ़ने का वक्त गुम हो गया। हम ऑनलाइन हर पल मौजूद हैं, पर अपनों के लिए 'ऑफलाइन' हो चुके हैं। हम अक्सर कहते हैं, "समय नहीं है।" लेकिन क्या यह सचमुच सच है? दिन के चौबीस घंटों में हम घंटों सोशल मीडिया पर भटकते हैं, नेटफ्लिक्स की दुनिया में खोए रहते हैं, व्हाट्सएप की चैट में उलझे रहते हैं, मगर मां से पांच मिनट की बातचीत के लिए वक्त नहीं निकलता। बच्चों के साथ हंसी-खेल की बात तो दूर, उनकी आंखों में झांककर यह पूछने का मौका नहीं मिलता कि उनका दिन कैसा गुजरा। रिश्ते अब 'वीकेंड प्लान' बनकर सिमट गए हैं, जिन्हें हम किसी प्रोजेक्ट की तरह 'मैनेज' करने की जद्दोजहद में लगे हैं। लेकिन रिश्ते कोई टू-डू लिस्ट नहीं, जिसे चेकमार्क लगाकर भुला दिया जाए। रिश्तों को जीना पड़ता है, संजोना पड़ता है, और इसके लिए दिल से समय देना पड़ता है। आधुनिक जीवन ने हमें सुविधाओं का खजाना सौंपा है–तकनीक, अवसर, चमक-दमक। लेकिन इसके बदले उसने हमसे अपनापन छीन लिया। तकनीक ने वादा किया था कि वह हमें जोड़ेगी, मगर हकीकत में वह हमें भावनात्मक रूप से और दूर धकेल रही है। वर्क-फ्रॉम-होम ने घर को दफ्तर बना दिया, लेकिन घर का सुकून कहीं गुम हो गया। हम गैजेट्स से बतियाते हैं, पर सामने बैठे अपनों से दो शब्द बोलने का वक्त नहीं। सबसे दर्दनाक यह है कि यह दूरी हमें अब सामान्य लगने लगी है। पास रहकर भी अनदेखा करना हमारी आदत बन गई है। यह अनदेखी सिर्फ रिश्तों तक नहीं रुकती; यह हमारे मन को भी खोखला कर रही है। आज अकेलापन, तनाव, और अवसाद आम बात हो गए हैं। मनोवैज्ञानिक अध्ययन चीख-चीखकर बताते हैं कि अपनों से जुड़ाव की कमी मानसिक स्वास्थ्य को तार-तार करती है। इंसान सामाजिक प्राणी है–उसे अपनों की गर्माहट चाहिए, किसी की फिक्र चाहिए, किसी का साथ चाहिए। जब यह अपनापन कम होता है, तो बाहर की दुनिया की सारी कामयाबियां–नौकरी में तरक्की, बैंक बैलेंस की बढ़ोतरी, या सोशल मीडिया पर लाइक्स की बौछार–सब उस खालीपन को भरने में नाकाम रहती हैं, जो अपनों की दूरी से पैदा होता है। हम आज रिश्तों को 'निभाने' की बजाय 'मैनेज' करने की जुगत में लगे हैं। हर मुलाकात, हर बातचीत को एक 'शेड्यूल' में बांध दिया गया है। दोस्तों से मिलने के लिए गूगल कैलेंडर में स्लॉट बुक करना पड़ता है, माता-पिता से बात करने के लिए 'टाइम स्लॉट' तय करना पड़ता है। लेकिन रिश्ते कोई कॉरपोरेट मीटिंग नहीं, जो डायरी में नोट करके निपटाए जाएं। रिश्ते तब सांस लेते हैं, जब उनमें सहजता हो, जब उनमें दिल की गर्माहट और समय की नमी हो। रिश्ते उस पौधे की तरह हैं, जिसे वक्त, ध्यान और प्यार से सींचना पड़ता है। अगर उसे अनदेखा किया, तो वह धीरे-धीरे मुरझा जाता है। और जब वह सूख जाता है, तो बाद में लाख पछतावे कर लें, वो हरियाली लौटकर नहीं आती। सवाल समय की कमी का नहीं, सवाल हमारी प्राथमिकताओं का है। हम दिन-रात जिस ज़िंदगी को बेहतर बनाने की दौड़ में लगे हैं, उसका असली मकसद क्या है? अगर उस ज़िंदगी में अपनों की जगह ही नहीं, तो वह कितनी सार्थक है? करियर, पैसा, सपने–सब ज़रूरी हैं, मगर इनके बीच अपनों के लिए वक्त निकालना सबसे अनमोल है। क्योंकि जब ज़िंदगी का हिसाब लगाने का पल आएगा, तो हमें वो ईमेल, मीटिंग्स या डेडलाइंस नहीं, बल्कि अपनों के साथ बिताए लम्हे याद आएंगे–वो हंसी, वो बातें, वो साथ। अब वक्त है, इस भागदौड़ में ठहरकर सांस लेने का। हर दिन चंद पल अपनों के नाम करें। फोन को साइलेंट कर माता-पिता के साथ बैठें, उनके पुराने किस्सों में खो जाएं। बच्चों के साथ उनका पसंदीदा खेल खेलें, उनकी चमकती आंखों में दुनिया देखें। किसी दोस्त को बेवजह कॉल कर पुरानी यादें ताज़ा करें। ये छोटे-छोटे पल रिश्तों को सिर्फ़ जिंदा नहीं रखते, बल्कि हमारे भीतर के खालीपन को भरते हैं। तकनीक को गुलाम बनाएं, मगर उसे रिश्तों पर हावी न होने दें। असली आधुनिकता 'कनेक्टेड' होने में नहीं, अपनों से 'जुड़े' रहने में है। ज़िंदगी की रफ्तार जब धीमी पड़ेगी, तो वही लोग याद आएंगे, जिनके लिए हमने वक्त चुराया था। तो आज, अभी, इस पल में किसी अपने को समय दें। एक कप चाय, एक बेपरवाह हंसी, एक दिल से दिल की बात–यही वो धागे हैं, जो रिश्तों की डोर को मज़बूत करते हैं। यही वो लम्हे हैं, जो ज़िंदगी को जीने लायक बनाते हैं। सच यही है–रिश्ते वक्त मांगते हैं, और वक्त देने से ही रिश्ते संवरते हैं।

प्रो. आरके जैन

मानवीय आवश्यकता है धर्म

धर्म किसी भी व्यक्ति की भौतिक जरुरतों की पूर्ति नहीं करता है। किन्तु फिर भी धर्म प्रत्येक व्यक्ति के लिये एक परमावश्यक तत्व है इसका कारण है धर्म मानव मात्र को आत्मशान्ति और सभ्यता प्रदान करता है। आत्म शान्ति और सभ्यता दोनों मानव की ऐसी अध्यात्मिक आवश्यकताएं है कि यदि वे दो न हों तो करोड़ों का स्वामी ऐसा धनाढ्य व्यक्ति भी पशुता के रूप में ही जीता है। मानवता के दायरे में वह प्रवेश ही नहीं कर पाता । रुस कट्टर कम्युनिज्म का हिमायती राष्ट्र था और सारे विश्व में कम्यु निज्म का नैतृत्व करता था किन्तु कम्युनिज्म ने एक सबसे बड़ी भूल की धर्म को - नकार कर । धर्म को नकार ने से मानव की चेतना में आत्म विश्वास ही समाप्त हो गया । समुचित मानवीय सभ्यता का विकास भी नहीं हो पाया। परिणाम यह रहा कि सारा राष्ट्र ही बिखर गया । कम्युनिज्म एक असफल विचार धारा के रूप में चारों तरफ से ठुकराया जाने लगा ।आप और हम सभी जानते हैं कि कम्युनिज्म भी एक सुव्यवस्थित समानाग्रही व्यवस्था है। वह हर्गिज असफल नहीं होती यदि धर्म को नकारा न होता । धर्म को साथ रख कर कम्युनिज्म बहुत वर्षों तक मानव को व्यवस्था दे सकता था किन्तु वह ऐसा नहीं कर सका उसका परिणाम सामने हैं । यह भी हम जानते हैं कि धर्म का सत्य स्वरुप तो प्रायः छुप सागया है धर्म के नाम पर साम्प्रदायिक व्यवस्थाएं विधि विधान ही अधिक व्याप्त है। इन साम्प्रदायिक कट्टरता से पृथ्वी पर खून खराबा भी कम नहीं हुआ है किन्तु जैसे बादलों के पीछे छुपजाने पर भी सूर्य जब तब किसी तरह बाहर आकर प्रकाश फैला ही देता है ऐसे ही साम्प्रदायिक अभिनिवेशों के बावजूद धर्म अपना रूप समाज में प्रकट करता ही रहा है। वह सर्वथा निः शेष कभी नहीं होता । कहीं न कहीं वह मानव में मानवता नैतिकता करुणा शील सदाचार आदि उदात्त भावों का सर्जन करता ही है। टूटी मानवता की कडियों को धर्म ही जोड़ता है। धर्म की मानव के लिये सार्वत्रिक उपयोगिता सर्वदा रही है और भविष्य में भी रहेगी ।

संकीर्णता अधर्म है विष है

पानी छोटे से पोखर में भी पाया जाता है किन्तु वह प्रायः गन्दा और दुर्गन्ध पूर्ण होता है किन्तु सरोवर में पाया जाना वाला पानी स्वच्छ और अधिक उपयोगी होता है। पोखर छोटा और सरोवर विशाल होता है।मानव का मन भी प्रायः दो तरह का होता है। क्षुद्र और विशाल । क्षुद्र हृदय व्यक्ति बहुत सीमित दायरे में सोचता है। ऐसे व्यक्ति प्रायः कट्टर होते है वे औरों के प्रति असहनशील और ईर्ष्या ग्रस्त होते हैं। सरोवर की तरह उदार हृदय व्यक्ति विशाल दृष्टि कोण लेकर चलते हैं। सहिष्णुता उनकी मुख्य विशेषता होती है। वे अपना ही नहीं सभी का अभ्युदय चाहते हैं। संकीर्ण मनोवृत्ति से दूर रहते हैं। ऐसे व्यक्ति समाज और मानवता के लिये वरदान स्वरुप होते हैं। धर्म मूलत, विशाल हृदयी व्यक्ति तैयार करने का काम करता है। मित्ति में सब्ब भूएसु, सर्वे भवन्तु सुखिनः, वसुधैव कुटुम्बकम् जैसे धर्म के मौलिक सूत्र है जिन में संकीर्णता का कोई नामो निशान नहीं है किन्तु जब से धर्म में संप्रदायें प्रबल हुई है। धर्म के स्वरुप को भी संकीर्ण बनाने का प्रयत्न किया जाने लगा। संकुचित मनोवृत्ति वाले व्यक्ति साम्प्रयादिकता के ज्यादा पक्ष धर बने रहे उन्होंने धर्म की सारी व्यवस्थाओं को कट्टरता और संकीर्णता के घेरे में बांध लिया। केवल हम और हमारा ये ही ठीक है शेष सभी व्यर्थ है। संकीर्णता की इस भावना ने धर्म की सार्वभौमिकता को तोड़ कर जन जन में भेद भाव की खाई खड़ी कर दी । अन्य धर्म संप्रदायों की बात छोड़िये । जैन धर्म को ही ले लीजिये श्वेताम्बर दिगम्बर स्थानक वासी मूर्ति पूजक तेरा पंथी आदि बड़े बड़े विभाग तो है ही इसमें भी संप्रदाय और उप संप्रदायों का एक विशाल समूह खड़ा है। उनके अनुयायी अपनों से भिन्न औरों को हीन दृष्टि से देखा करते हैं। अवसर मिलते ही एक दूसरे का विरोध और खंडन करने में भी तत्पर रहेंगे। मान्यता भेद का जहां तक प्रश्न है वह हो सकता है और है भी इस से मैं इन्कार नहीं करता किन्तु मान्यताओं के उपरान्त भी एक धार्मिकता तो बराबर बनी ही रहनी चाहिये जो मान्यता भेद की उपस्थिति में भी पारस्परिकता को बचाकर रख सके । कट्टरता में इस तरह तो अन्धे न बने कि अन्यवर्ग के साधु साध्वी तक का अपमान और निन्दाकर बैठें। कट्टरता एक विष है जो धर्म जगत को उद्वेलित और अशान्त किये रहता है। इस विष से प्रत्येक धार्मिक को बचना चाहिये।

अन्धकार है अज्ञानता

कुछ व्यक्ति अज्ञानता के पक्ष घर रहते हैं वे कहते है अज्ञानी बना रहता अच्छा है। इसमें पाप कम लगता है। ज्ञानी बनकर फिर कोई पाप करेगा तो वह अधिक दोषी होगा, क्यों कि वह तो जानता है। जानते हुए जहर खा रहा है तो वह तो अधिक दोषी है ही। हम कुछ भी न समझें, न समझने का, जानने का यत्न करें। अनजान में सारे पाप होंगे। अनजाने को तो भगवान भी माफ कर देते हैं ऐसी बातें होती है अज्ञानियों की। ये बातें एकान्त मूर्खता पूर्ण और हेय है। अज्ञानता में किया पाप कम नहीं होता है और न कोई ईश्वर उसे माफ करता है। अज्ञानता में खाया जहर भी मौत की खाई में डाल ही देगा चाहे व्यक्ति अनजान ही क्यों न बना रहे। जिसने जान कर जहर खा लिया है वह तो तत्काल उसका उपचार भी कर सकता है किन्तु अनजाने में खाया वह अपना क्या उपचार करायेगा उसे पता ही नहीं कि उसने कौनसा जहर खा लिया है। ज्ञान और क्रिया जीवन की ये विशेष प्रवृतियां हैं। ज्ञान मस्तिष्क का विषय है ज्ञान से वस्तु स्वरुप की समझ मिलती है। क्रिया आचरण को कहते हैं। दोनों की क्षमता सभी प्राणियों में समान नहीं होती है। किसी में ज्ञान की क्षमता अधिक पाई जाती है किन्तु आचरण की क्षमता कम होती है किसी में आचरण की क्षमता अधिक होती है किन्तु ज्ञान वह अधिक नहीं कर पाता है। इस तरह हम देखते हैं कि ये दोनों तत्व सभी में समान नहीं होते । जीवन में आचरण का महत्व तो है ही किन्तु उस से भी कहीं अधिक महत्व है ज्ञान का । ज्ञान विस्तृत और तत्व स्पर्शी होना चाहिये। यह अत्यन्त जरुरी है चाहे तदनुरुप आचरण न भी कर पाये । आचरण की भूलों का समाधान या उस की कमी की पूर्ति तो कभी भी होजाना आसान रहता है किन्तु ज्ञान की कमी का निराकरण होना बहुत कठिन होता है अतः - तत्व स्पर्शी सम्यक् ज्ञान पहले होना चाहिये । आचरण बाद की बात है।

कांतिलाल मांडोत

मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक रवि कुमार अवस्थी द्वारा सुशीला स्टेडी बेल एकेडमी 117-मोहल्ला विजय लक्ष्मी नगर परगना खैराबाद तहसील व जनपद -सीतापुर से प्रकाशित तथा महावीर आफसेट 28, हीवेट रोड लखनऊ से मुद्रित। सम्पादक रवि कुमार अवस्थी समाचार पत्र में छपे समस्त समाचार संवाददाताओं के अपने श्रोत एवं संकलन हैं, जिनसे सम्पादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। **नोट:**–उपरोक्त सभी पद अवैतनिक एवं स्वयंसेवी हैं तथा समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादो का न्याय क्षेत्र सीतापुर होगा। R.N.I NO. UPHIN/2009/34814 मो0 नं0 -9511151254,E-Mail :- news@swatantraprabhat .com

संक्षिप्त खबरें

विहिप ने बैठक में तय की आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बेहटा चौराहा स्थित हनुमान मंदिर परिसर में रविवार को विश्व हिंदू परिषद की बैठक संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रांत उपाध्यक्ष रामगोपाल ने की। उन्होंने कहा कि संगठन को गांव गांव तक सक्रिय करने की जरूरत है। हर प्रखंड में पूर्ण कार्यसमिति गठित कर संगठन की जड़ें मजबूत की जाएं। उन्होंने पदाधिकारियों से कहा कि समाज के सभी वर्गों तक संगठन की विचारधारा पहुंचाना हम सबका दायित्व है। इस दौरान संगठन की मजबूती के साथ आगामी कार्यक्रमों की तैयारी पर भी चर्चा की गई। इस मौके पर जिला अध्यक्ष अजय पांडे, जिला उपाध्यक्ष शालिग्राम मौर्य, श्याम नारायण साहू, रूपेश अवस्थी, रजनी, जिला संयोजक विकास त्रिवेदी, अरविंद अग्रवाल, नगर अध्यक्ष दीपेंद्र रस्तोगी, खीरो अध्यक्ष नवल तिवारी, प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार, जिला सत्संग प्रमुख संजय मिश्रा और आशु गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

किसान नेता राकेश अवस्थी पर जानलेवा हमला, एक आरोपी गिरफ्तार

.....लाठी-डंडों और असलहों से हमला, गाड़ी तोड़ी, नकदी लूटी- पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा, बाकी की तलाश जारी।

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के थाना दुबग्गा क्षेत्र के यादव बाजार मोड़ पर शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई जब कुछ दबंगों ने सैथा निवासी किसान नेता राकेश अवस्थी पर जानलेवा हमला कर दिया। हमलावरों ने राकेश अवस्थी पर लाठी-डंडों और अवैध असलहों से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। इतना ही नहीं, आरोपियों ने उनकी गाड़ी में तोड़फोड़ की और जेब में रखी करीब ?5215 रुपये की नकदी भी लूट ली।

घटना के बाद घायल राकेश अवस्थी ने थाने पहुंचकर थाना दुबग्गा में नामजद तहरीर दी। अपनी शिकायत में उन्होंने कल्लू उर्फ राजेश यादव, मुन्ना गाजी, कल्लू यादव पुत्र जाटू यादव, सर्वेश यादव, सोनू यादव, बब्लू सेमी सहित 5 से 8 अज्ञात लोगों पर हमला करने, छिनैती, रंगदारी व धमकी देने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पीड़ित के अनुसार, हमलावरों ने धमकाते हुए कहा कि "अब बहुत बड़े किसान नेता बन गए हो, अगर इलाके में काम करना है तो हर महीने वसूली देनी पड़ेगी।" घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल फैल गया।

थाना प्रभारी दुबग्गा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए नामजद आरोपी सर्वेश यादव को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी दोषियों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लखीमपुर में वन विभाग के पिंजरे में कैद हुआ खुंखार तेंदुआ, एक दिन पहले मिली थी लोकेशन

लखीमपुर खीरी। आठ वर्षीया बच्ची पर हमला करने वाला तेंदुआ रविवार को वन विभाग के पिंजरे में फंस गया। तेंदुआ की शनिवार को लोकेशन मिलने के बाद वन विभाग ने शारदानगर रेंज के खंभारखेड़ा (कुंअरापुर) में गांव किनारे गन्ने के खेत में पिंजरा लगाया था, जिसमें खुंखार तेंदुआ रविवार को बकरी का शिकार करने के चक्कर में फंस गया। पिंजरे में रविवार की सुबह तेंदुआ फंस गया। वन अधिकारियों ने बताया कि वन्यजीव सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तेंदुआ को सुरक्षित रूप से शारदा नगर रेंज परिसर लाया गया है। विभाग ने आसपास के क्षेत्रों में लोगों से सतर्कता बनाए रखने और निगरानी जारी रखने की बात कही है। लखीमपुर खीरी के शारदा नगर वन क्षेत्र में पिछले कई महीनों से सक्रिय तेंदुआ आखिरकार वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया है।

बच्ची पर हमले के बाद वन विभाग ने तेंदुआ को पकड़ने के लिए अभियान तेज कर दिया था। जिसके तहत कैमरे और पिंजरे लगाए गए थे। वन विभाग को तेंदुआ की लोकेशन शारदानगर रेंज की उसिया बीट के ग्राम खंभारखेड़ा के पास मिलने पर सफलता की उम्मीद बढ़ गई थी। वन विभाग की टीम लगातार उसकी गतिविधियों पर नजर रख रही थी। उसकी आवाजाही को ट्रैक करते हुए, 25 अक्टूबर को ग्राम खंभारखेड़ा के निकट कुंवारा पुर क्षेत्र में उसकी लोकेशन मिली, जिसके बाद वहां एक पिंजरा लगाया गया।

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराया दूसरा ट्रक हेल्पर की हुई मौत, नेशनल हाइवे पर हुआ हादसा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सिधौली कोतवाली क्षेत्र में रविवार सुबह तड़के हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया हादसा लखनऊ-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम गड़िया हसनपुर के पास हुआ, जहां सड़क किनारे खड़े ट्रक में पीछे से आ रहे दूसरे ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी टक्कर इतनी भीषण थी कि पीछे वाले ट्रक का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और चालक-हेल्पर उसमें फंस गए जानकारी के अनुसार, सड़क किनारे मौरंग से भरा ट्रक (संख्या UP32 ZN0310) खड़ा था। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक (संख्या UP30CT4602) ने तेज रफ्तार में आकर ट्रक के पिछले हिस्से में टक्कर मार दी हादसे में चालक जमाल पुत्र महबूब (उम्र

लगभग 30 वर्ष) निवासी ग्राम लोखरियन खेड़ा थाना संडीला, जनपद हरदोई, और हेल्पर तौकिल गाजी पुत्र छंगा (उम्र लगभग 30 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची सिधौली पुलिस ने क्रेन की मदद से दोनों को ट्रक के केबिन से बाहर निकाला घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (CHC) सिधौली भेजा गया जहां से चालक जमाल की गंभीर हालत देखते हुए उसे लखनऊ ट्रॉमा सेंटर रेफर कर दिया गया वहीं, हेल्पर तौकिल गाजी को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन मौके पर पहुंच गए पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है वहीं, दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को सड़क के किनारे कर यातायात सुचारू करा दिया गया है पुलिस का कहना है कि ट्रक को अनलोड कर जल्द ही रोड से हटाया जाएगा!!

फांसी के फंदे पर लटकता मिला विवाहिता का शव इलाके में मचा हड़कंप, पिता- ससुर पर लगाया दहेज़ हत्या का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर के सिधौली कोतवाली क्षेत्र के अक्किलपुर गांव में रविवार सुबह एक विवाहिता का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटकता मिला मृतका की पहचान 24 वर्षीय सोनाली के रूप में हुई है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है वहीं मायके पक्ष ने दहेज के लिए हत्या कर शव को लटकाने का आरोप लगाया है जानकारी के अनुसार, मृतका सोनाली की शादी वर्ष 2022 में अक्किलपुर निवासी संजय के साथ हुई थी आरोप है कि विवाह के बाद से ही ससुराल पक्ष दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित किया करता था मायके पक्ष का कहना है कि शनिवार की देर शाम घर के सभी सदस्य खेतों की ओर गए थे जबकि सोनाली घर पर अकेली थी। इसी दौरान उसकी मौत हो गई परिजनों का आरोप है कि पति संजय व

ससुर ने मिलकर सोनाली की हत्या की और सबूत मिटाने के लिए शव को फंदे से लटका दिया मृतका के पिता दीपू ने सिधौली थाने में तहरीर देकर ससुराल पक्ष पर कार्रवाई की मांग की है पुलिस ने मामले में पति संजय और उसके पिता के खिलाफ दहेज हत्या की धारा में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई में जुट है है थाना प्रभारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों की पुष्टि हो सकेगी फिलहाल आरोपियों की तलाश की जा रही है और मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है!!

आरोग्य मेले में मरीजों का हुआ इलाज

लालगंज (रायबरेली)। रविवार को क्षेत्र के विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया, जिसमें कुल 135 मरीजों का उपचार किया गया।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र अंबारा पश्चिम में डॉ. जी.पी. चौरसिया ने 40 मरीजों की ओपीडी की, जिनमें 17 पुरुष, 16 महिलाएं और 7 बच्चे शामिल रहे। सभी को निःशुल्क दवाएं प्रदान की गई।जगतपुर भिचकौरा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 39 मरीजों की ओपीडी हुई, जिनमें 18 पुरुष, 13 महिलाएं और 9 बच्चे शामिल थे। सभी को मुफ्त दवाएं दी गई।पूरे भैरव मिश्र प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 25 मरीजों का इलाज किया गया, जबकि बेहटा कला के नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 32 मरीजों की जांच कर निःशुल्क दवा वितरण किया गया। **इनकी भी सुनिए-** सीएचसी अधीक्षक डॉ. अमल पटेल ने बताया कि मेले में कुल 135 मरीजों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया।

लखनऊ खण्ड स्नातक/शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों का पुनरीक्षण कार्यक्रम निर्धारित

● पात्र शिक्षकों एवं स्नातक से सम्बन्धित निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु अभिलेख कर सकते हैं उपलब्ध

निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन व दावे और आपत्तियां दाखिल की अवधि 25 नवम्बर से 10 दिसम्बर तक

30 दिसम्बर को निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रायबरेली, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सिद्धार्थ ने बताया है कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा उत्तर प्रदेश विधान परिषद के 05 खण्ड स्नातक निर्वाचन क्षेत्र यथा लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ एवं इलाहाबाद-झांसी तथा 06 खण्ड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र यथा लखनऊ, वाराणसी, आगरा, मेरठ, बरेली-मुरादाबाद एवं गोरखपुर-फैजाबाद निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल 06 दिसंबर 2026 को समाप्त होने के कारण अर्हता 01 नवम्बर 2025 के आधार पर संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का De-Novo पुनरीक्षण कार्यक्रम जारी किया है, जिसके अनुसार लखनऊ खण्ड शिक्षक/स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों का अवशेष छ्ड्ड-ठ्ठश्1श पुनरीक्षण कार्यक्रम के अनुसार गतिविधियां, अवधि/दिनांक निर्धारित की गयी है। जिसके अनुसार फार्म 18 या 19 में आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि, जैसी स्थिति हो 06 नवम्बर 2025 (गुरुवार) निर्धारित की गई है। वह तिथि जिस तक पांडुलिपियों की तैयारी और आलेख्य निर्वाचक नामावलियों का मुद्रण किया जाना 20 नवम्बर 2025 (गुरुवार)।

निर्वाचक नामावलियों का आलेख्य प्रकाशन एवं 25 नवम्बर 2025 (मंगलवार)। दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अवधि (निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 के नियम 12 के अन्तर्गत) 25 नवम्बर 2025 (मंगलवार) से 10 दिसंबर 2025 (बुधवार)। वह तिथि जिस तक दावे और आपत्तियों का निस्तारण किया जायेगा और अनुपूरक सूची तैयार और मुद्रित की जायेगी 25 दिसम्बर 2025 (गुरुवार)। निर्वाचक नामावलियों का अंतिम प्रकाशन 30 दिसंबर 2025 (मंगलवार) को निर्धारित की गई है।

उन्होंने बताया है कि सभी पात्र शिक्षकों एवं स्नातक से सम्बन्धित निर्वाचक नामावली में नाम सम्मिलित कराने हेतु समस्त आवश्यक अभिलेखों सहित निर्धारित प्रारूप-18 (स्नातक हेतु) एवं प्रारूप-19 (शिक्षक हेतु) यथाशीघ्र सम्बन्धित सहा0 निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों/उपजिलाधिकारियों एवं नाम निर्दिष्ट अधिकारियों को सम्बन्धित तहसील, विकास खण्ड एवं नगर पालिका/नगर पंचायत में किसी भी कार्यदिवस में उपलब्ध करा सकते हैं। इसके अतिरिक्त आवेदक द्वारा वेबसाइट http://ceouttarpradesh.nic.in/ceoupmlc/ पर ऑनलाइन आवेदन भी किये जा सकते हैं।

रहीमाबाद पुलिस पर पीड़ित को गालियां देकर भगाने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद/रहीमाबाद के थानेदार पर पीड़ित को गलियां देकर भगाने का आरोप लगा है। पीड़ित के मुताबिक उसके बड़े भाई माता पिता की मौत के बाद पूरी जमीन तथा घर को हड़प लेना चाहते हैं। वह घर में पत्नी बच्चे सहित गया तो उसे गलियां व जान से मारने की धमकी देकर भगा दिया गया। इंसाफ के लिए थाने गया तो वहां से भी भगा दिया गया।

रहीमाबाद थाना क्षेत्र के गोसवा दिलावरनगर गांव निवासी हरिओम गुप्ता पुत्र स्वर्गीय रामेश्वर गुप्ता ने बताया कि उसने प्रेम प्रसंग में विवाह किया था। वह लखनऊ में किराए के कमरे में अपनी पत्नी तथा बेटे के साथ रहता है। पीड़ित ने बताया जबतक माता पिता जीवित रहे उन्हें कोई दिक्कत नहीं हुई।उनकी मौत के बाद अब तीन बड़े भाई पूरी जमीन व घर को हड़प लेना चाहते हैं। हरिओम ने बताया वह अपने घर पत्नी, बच्चे के साथ गया तो उसके भाइयों ने घर में घुसने ही नहीं दिया और गालियां देकर भगा दिया। जिसके बाद उसने रहीमाबाद थाने पर लिखित शिकायत की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल, एसीपी, तहसील दिवस में भी शिकायत की तो रहीमाबाद पुलिस ने उसके भाइयों को बुलवाया जहां उसे पीड़ित के भाई तीन लाख रुपए देकर घर व जमीन छोड़ने की बात कहने लगे जिसपर वह राजी नहीं हुआ। पीड़ित का आरोप है कि उसकी मदद करने के बजाय इंस्पेक्टर ने गालियां देकर उसे थाने से भगा दिया और यह धमकी दी कि अगर घर

के आसपास भी चले गए तो मुकदमा लिखकर जेल भेज देंगे। पीड़ित ने बताया पुलिस ने उल्टे उसके ऊपर और पत्नी के ऊपर कार्यवाही भी कर दी है। इसी तरह कई आरोप पीड़ित और उसकी पत्नी ने रहीमाबाद पुलिस पर लगाए हैं। अब देखना यह होगा कि उच्च अधिकारी इस मामले में क्या कार्यवाही करते हैं।

पत्रकार कल्याण कोष में 80 लाख 31 हजार रुपये जारी

......मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रमुख सचिव संजय प्रसाद के निर्णय से पत्रकारों में खुशी की लहर- राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद ने जताया आभार।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ- उत्तर प्रदेश सरकार ने पत्रकारों के हित में एक बड़ा निर्णय लेते हुए पत्रकार कल्याण कोष में 80 लाख 31 हजार रुपये जारी किए हैं। यह धनराशि वित्तीय वर्ष 2025-26 में अनुदान संख्या-86 के लेखाशीर्षक "सूचना तथा प्रचार" के अंतर्गत व्यय की जाएगी।

प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद ने बताया कि यह राशि पत्रकारों की आर्थिक सहायता के लिए उपयोग की जाएगी और इसका व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष में ही किया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सूचना निदेशालय यह सुनिश्चित करेगा कि जिस मद से पुनर्विनियोग किया गया है, उस मद में चालू वित्तीय वर्ष में किसी प्रकार की धनराशि की मांग नहीं की जाएगी। सरकार के इस कदम से प्रदेश भर के पत्रकारों में खुशी की लहर दौड़ गई है। यह निर्णय पत्रकारों की सुरक्षा, सहायता और सामाजिक स्थिरता के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष देवेंद्र कुमार मिश्रा ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रमुख सचिव सूचना संजय प्रसाद और सूचना निदेशक

विशाल सिंह के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि "पत्रकारों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम सराहनीय है। इससे न केवल आर्थिक मजबूती मिलेगी बल्कि पत्रकारों में विश्वास और सुरक्षा की भावना भी बढ़ेगी।" पत्रकार संगठनों ने भी सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है और कहा कि यह कदम पत्रकारों के सम्मान और कल्याण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा।

स्व0 राधेश्याम शुक्ल एवं लीलावती देवी की पुण्य तिथि के अवसर पर किया सम्मान समारोह

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में अखिल भारतीय विज्ञान दल के तत्वाधान में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं को राज्यसभा सांसद अशोक वाजपेई द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रतिष्ठित कवियों ने काव्य पाठ कर उपस्थित श्वोताओं का मन मोह लिया, विख्यात कवि, आई0ए0 एस0, डॉ0, अखिलेश मिश्र ने मनमोहक रचना सुनकर माहौल ही बदल अखिल भारतीय विज्ञान दल के संस्थापक डॉ, मृदुल शुक्ल, ने अपने संबोधन में आय हुए अतिथियों का परिचय कराया, सम्मानित प्रतिष्ठित गणमान्य लोगों में, कवि वैज्ञानिक, समाज सेवी, राजनीतिक पत्रकार, लोक गायिका,अन्य कार्यकर्ता को, सम्मानित किया, ये कार्यक्रम डॉ0, मृदुल शुक्ल के माता पिता की पुण्यतिथि पर नर्वदेश्वर लॉ कॉलेज लखनऊ में आयोजित किया गया।

प्रयागराज में पत्रकार की हत्या के विरोध में राजधानी में कैंडल मार्च जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन के बैनर तले पत्रकारों का विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पत्रकारों की बुलंद आवाज बनेगाः जे पी ए पत्रकारों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं, संगठन पत्रकारों की हर स्तर पर उठाएगा आवाजःअध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह ने प्रयागराज में पत्रकार लक्ष्मी नारायण सिंह की हुई नृशंस हत्या के विरोध में राजधानी लखनऊ के 1090 चौराहे पर जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन की तरफ से कैंडल मार्च का आयोजन कर दिवंगत पत्रकार को श्रद्धांजलि देते हुए हत्यारों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग शासन और प्रशासन से की गई। साथ ही पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग उत्तर प्रदेश सरकार से की गई। इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष विवेक प्रताप सिंह ने पत्रकार की हत्या पर मामले की जांच कर, प्रदेश सरकार एवं प्रशासन से घटना में संलिप्त लोगों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई करने की मांग की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों पर अत्याचार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और पत्रकारों की आवाज जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन हर स्तर पर उठाएगा और उन्हें न्याय दिलाने का कार्य करेगा। संगठन के प्रवक्ता देवकीनंदन पांडे ने पत्रकार की हत्या लोकतंत्र की हत्या तथा चौथे स्तंभ को कमजोर करने का षड्यंत्र तथा प्रशासन की विफलता बताया। कार्यक्रम में जर्नलिस्ट प्रोटेक्शन एसोसियेशन के संरक्षक जोगिंदर सिंह खालसा, शिव शंकर मिश्रा, विवेक विश्व पांडे, अशोक यादव, संगठन के उपाध्यक्ष रवि जायसवाल, कोषाध्यक्ष एवं विधि सलाहकार नरसिंह नारायण पांडे, प्रदेश प्रवक्ता देवकीनंदन पांडे, रोशनी सोनकर पूर्णिमा सोनकर प्रदेश के पदाधिकारीगण एवं जिले के पदाधिकारी।

आखिर कैसे पूरा होगा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का स्वप्नः हरिओम राजेंद्र

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर। जनपद के मुख्यालय पर शिक्षा के मंदिर महिला महाविद्यालय के गेट में वर्षों से ताला पड़ा हुआ है बताते चलें कि जिला मुख्यालय के बीचो-बीच काजियारा चौराहा पुराना सीतापुर में सन 2017 में राजकीय महिला महाविद्यालय बनकर तैयार हो चुका था सभी कमरों में समुचित व्यवस्था है महाविद्यालय प्रांगण में बेहतरीन छात्रावास भी है आवागमन की भी सुगम व्यवस्थाएं हैं, फिर भी यह लंबे समय से बंद पड़ा हैं लोक निर्माण संघ के संस्थापक हरिओम मिश्रा राजेंद्र ने इस समस्या के समाधान के लिए पुरजोर तरीके से आवाज उठाई है उन्होंने कहा है कि हमारी बहन बेटियों को इसके अभाव में लखनऊ के साथ अन्य जिलों के चक्कर लगाने पड़ते हैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी योजना एवं अभियान बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का सपना कैसे पूरा होगा जब सीतापुर जनपद के जनप्रतिनिधि अपनी जिम्मेदारी को ना समझे सीतापुर जनपद के सभी जागरूक भाइयों बहनों सामाजिक संगठनों से निवेदन है कि इस शिक्षा के इस द्वार को खोलने के लिए एक सार्थक संघर्ष किया जाए जब तक समाज का एक-एक व्यक्ति मुखर होकर अपनी समस्याओं को लेकर आवाज बुलंद नहीं करेगा तब तक जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी अपना काम इमानदारी से नहीं करेंगे। हरिओम ने यह भी कहा विगत वर्षों में कई समाजसेवी और सामाजिक संगठनों ने आवाज उठाई तो जिम्मेदारों ने उन्हें कागजी कार्यवाही कर आश्वासन प्रदान करते रहे लेकिन इस बार हमें कागजी कार्यवाही नहीं बल्कि सार्थक समाधान के लिए कार्य करना है।

ई-रिक्शा में सवार महिलाओं ने उड़ाई सोने की चेन

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के धनाभाद गांव की निवासी रेनू पत्नी अंकित नाई के गले से दो अज्ञात महिलाओं ने सोने की चेन पार कर दी। घटना शनिवार शाम की है जब रेनू बाजार से खरीदारी कर ई-रिक्शा से घर लौट रही थीं। मेन रोड पर दो महिलाएं भी उसी रिक्शा में बैठ गई और बृजेन्द्रनगर पेट्रोल पंप के पास उतर गई। जब रेनू राजपति नगर मोड़ पर उतरीं तो देखा कि गले से करीब पाँच ग्राम की सोने की चेन गायब है। उन्हें शक है कि वही महिलाएं मौका पाकर चेन लेकर भाग गई।पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है, जानकारी मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

डीजीपी बोले- हर थाने में होगी साइबर डेस्क यूनिट, साइबर अपराध रोकने की बताई बारीकियां

● निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर जनपद सीतापुर में शनिवार की देर रात पहुंचे उत्तर प्रदेश के डीजीपी राजीव कृष्ण ने बिहार चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया उन्होंने बताया कि बिहार के डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी के साथ उनकी बैठक हो चुकी है बॉर्डर पर सघन सेकंड अभियान के तहत अभय शराब और अवैध पैसों की आवाजाही पर लगाम लगाई जा रही है और सीजर की कार्रवाई की जा रही है। नैमिषारण्य के PWD गेस्ट हाउस में मीडिया से बातचीत करते हुए डीजीपी ने कहा कि यूपी में बढ़ते साइबर अपराधों के लिए अब प्रत्येक थाने में साइबर डेस्क स्थापित किए जाएंगे ये डेस्क लगातार अपराधों पर निगरानी रखेंगे और त्वरित कार्रवाई करेंगे उन्होंने बताया कि अब तक साइबर अपराध से जुड़े 24% पैसों को सीज किया जा चुका है और

इसे बढ़ाकर 50% तक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। देर रात पत्नी के साथ मंदिर दर्शन और पूजन करने के बाद डीजीपी नैमिषारण्य कोतवाली का निरीक्षण करने पहुंचे निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री के मिशन शक्ति अभियान की समीक्षा की और आठ महिला पुलिस कर्मियों से बातचीत कर उनके कार्य की सराहना की थाने के अंदर गंदगी देख डीजीपी ने नाराजगी जताई और थानाध्यक्ष को साफ-सफाई के निर्देश दिए इसके बाद डीजीपी ने ललिता देवी मंदिर में माथा टेका और वापस लखनऊ के लिए रवाना हो गए उन्होंने टूरिज्म पुलिस को बढ़ावा देने की भी बात कही!

निगोहां में डिजिटल चोर सक्रिय, उड़ा रहे कैमरा और डीवीआर

● ....निगोहां में चोरों की नई रणनीति- सबूत मिटाने के लिए सीसीटीवी सिस्टम को बना रहे निशाना।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

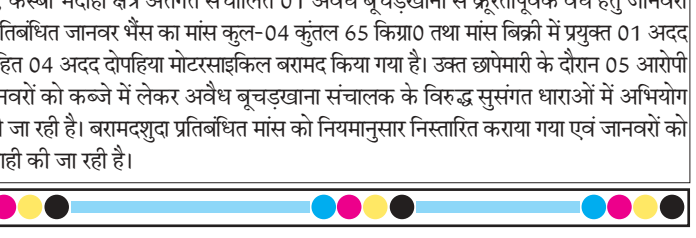

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के निगोहां थाना क्षेत्र में चोरी की वारदातों ने एक नया मोड़ ले लिया है। अब चोर कैश या कीमती सामान की बजाय सीसीटीवी कैमरा और डीवीआर को निशाना बना रहे हैं, ताकि उनके खिलाफ सबूत ही न बचें। बीते कुछ दिनों में क्षेत्र में ऐसी दो घटनाओं ने पुलिस की चिंता बढ़ा दी है।

पहली वारदात एक बाइक एजेंसी में हुई, जहां चोरों ने शटर तोड़कर अंदर घुसते ही डीवीआर उठा लिया और मौके से फरार हो गए। दूसरी घटना ग्राम भगवानपुर के प्रधान के घर में हुई, जहां चोरों ने सीसीटीवी कैमरों के तार काट दिए और फिर डीवीआर चोरी कर ले गए। दोनों ही मामलों में चोरों ने केवल वही सामान उठाया जिससे पुलिस की जांच में बाधा आ सके।

इन वारदातों से स्पष्ट है कि चोर अब तकनीकी रूप से चालाक और योजनाबद्ध तरीके से काम कर रहे हैं। वे चोरी से पहले इलाके की रेकी करते हैं और फिर ऐसे उपकरणों को निशाना बनाते हैं जो उनके खिलाफ सबूत जुटाने में मददगार हो सकते हैं।

एसओ निगोहां अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि दोनों घटनाओं की गंभीरता से जांच की जा रही है और जल्द ही वारदात में शामिल आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पुलिस टीम लगातार निगरानी रख रही है ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके। निगोहां में बढ़ती इन तकनीकी चोरी की घटनाओं ने यह साफ कर दिया है कि अब चोर पुलिस से बचने के लिए डिजिटल सबूत मिटाने की नई चालें चल रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की जरूरत है।

कस्बा भदोही क्षेत्र अंतर्गत संचालित अवैध बुचड़खानों पर पुलिस व प्रशासन की संयुक्त छापेमारी के दौरान मिली महत्वपूर्ण सफलता

अवैध बूचड़खाना संचालक के विरुद्ध सम्बन्धित धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर, की जा रही सख्त वैधानिक कार्यवाही

भदोही, जनपद के थाना भदोही, कस्बा भदोही क्षेत्र अंतर्गत अवैध बुचड़खानों के संचालित होने के संबंध में प्राप्त सूचना पर श्री शैलेश कुमार, जिलाधिकारी भदोही व श्री अभिमन्यु मांगलिक, पुलिस अधीक्षक भदोही के संयुक्त निर्देशन में पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीमों का गठन कर सख्त वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देश दिए गए।

उक्त निर्देश के क्रम में आज दिनांक 26.10.2025 को अपरान्ह गठित पुलिस व प्रशासन की संयुक्त टीम द्वारा जनपद में संचालित अवैध बुचड़खानों पर छापेमारी के दौरान थाना भदोही, कस्बा भदोही क्षेत्र अंतर्गत संचालित 01 अवैध बूचड़खाना से क्रूरतापूर्वक वध हेतु जानवरों का पैर बांधकर रखे हुए कुल-36 राशि पड़वा, प्रतिबंधित जानवर भैंस का मांस कुल-04 कुंतल 65 किग्रा0 तथा मांस बिक्री में प्रयुक्त 01 अदद इलेक्ट्रॉनिक तराजू व 08 अदद अवैध चाकू सहित 04 अदद दोपहिया मोटरसाइकिल बरामद किया गया है। उक्त छापेमारी के दौरान 05 आरोपी भी गिरफ्तार हैं। बरामदशुदा अवैध मांस व जानवरों को कब्जे में लेकर अवैध बूचड़खाना संचालक के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करते हुए अग्रेतर विधिक कार्यवाही की जा रही है। बरामदशुदा प्रतिबंधित मांस को नियमानुसार निस्तारित कराया गया एवं जानवरों को आश्रय स्थलों पर रखवा कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

रूस ने कीव पर ड्रोन से हमले किए, तीन लोगों की मौत

यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि मारे गए लोगों में 19 वर्षीय लड़की और उसकी 46 वर्षीय मां शामिल हैं। रूसी ड्रोन हमले के कारण राजधानी के देस्नियान्स्की जिले में दो रिहायशी इमारतों में आग लग गई।

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव पर शनिवार रात ड्रोन से हमले किए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। कीव पर लगातार दूसरी रात हुए हमले में कम से कम 29 लोग घायल हो गए, जिनमें सात बच्चे शामिल हैं। यूक्रेन के गृह मंत्री इहोर क्लिमेंको ने कहा कि मारे गए लोगों में 19 वर्षीय लड़की और उसकी 46 वर्षीय मां शामिल हैं। रूसी ड्रोन हमले के कारण राजधानी के देस्नियान्स्की जिले में दो रिहायशी इमारतों में आग लग गई। आपातकालीन दल ने नौ मंजिला इमारत और 16 मंजिला इमारत से निवासियों को निकाला। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने शनिवार रात यूक्रेन पर 101 ड्रोन से हमला किया, जिनमें से 90 को यूक्रेनी बलों ने मार गिराया। हालांकि, ड्रोन से हुए हमलों में चार स्थानों पर नुकसान पहुंचा।

पूजा कर लौट रहे पुजारी पर चाकू से जानलेवा हमला, तोड़फोड़ के विरोध का बदला; अज्ञात हमलावर फरार

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र में एक पुजारी पर अज्ञात बदमाशों ने शुक्रवार देर रात चाकू से वार कर घायल कर दिया। पुजारी के शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस से की है। पीड़ित स्वजन का दावा है कि पुजारी पर रंजिशन अज्ञात बदमाश बुलाकर हमला कराने का आरोपकराया गया है। शिकायत के आधार पर पुलिस जांच कर रही है। सूरजपुर कस्बे में देवेंद्र शर्मा उर्फ देवा पंडित परिवार के साथ रहते हैं। उनके पूर्वजों ने सूरजपुर कस्बे में प्राचीन बाराही मंदिर का निर्माण कराया था। जहां हर साल ऐतिहासिक बाराही मेला भी लगाता है। पीड़ित का आरोप है कि वह शुक्रवार रात 10 बजे के करीब मंदिर से पूजा-पाठ कर घर वापस लौट रहे थे। रास्ते में तीन चार अज्ञात युवकों ने उन्हें रोक लिया। उनके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी। धारदार हथियार से पेट पर वार किया, जिससे वह घायल हो गए। शोर-शराबा सुनकर लोगों को एकत्र होता देख आरोपित मौके से फरार हो गए।

मंदिर में तोड़फोड़ का किया था विरोध

पीड़ित स्वजन संग पुलिसकर्मियों ने उन्हें घायल अवस्था में नजदीकी अस्पताल भर्ती कराया। जहां उनका उपचार चल रहा है। पीड़ित का दावा है कि उनपर रंजिशन हमला हुआ है। कुछ लोगों ने मंदिर के नाम पर एक समिति का गठन कर मंदिर में तोड़फोड़ की। जिसका उन्होंने विरोध किया था। आरोप है कि हमलावर तभी से उनसे रंजिश मानते हैं। पीड़ित स्वजन का आरोप है कि 29 सितंबर को भी समिति में शामिल कुछ लोगों ने उनके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी थी।

शादी में राजस्थान गया था करोबारी, चोरों ने घर से साफ की लाखों की नकदी और जेवर

आगरा। थाना एत्मादौला क्षेत्र के नगला फतूरी यमुना ब्रिज से चोर खाली मकान से लाखों की नकदी और आभूषण चोरी कर ले गए। परिवार अपनी बहिन के यहाँ शादी में शामिल होने कोटा गया था। घटना की जानकारी उन्हें उसके बहनोई ने दी थी।

राजस्थान गया था कारोबारी

नगला फतूरी यमुना ब्रिज के रहने बाले डब्बा कारोबारी अब्दुल रहमान उर्फ़ अज्जू भाई अपनी पत्नी राशिदा सहित 24 अक्टूबर को शाम सात बजे अपनी बहन श बीना के यहाँ शादी में शामिल होने कोटा राजस्थान गए थे। अज्जू के मकान के पास उनके बहनोई के पशु रहते है। शनिवार रात्रि करीब बारह बजे अज्जू के बहनोई मो शकील उन्हें चारा डालने गए थे। तभी उन्हें अज्जू के घर में बंदर घूमते दिखाई दिए। दरवाजे बंद होने के बाद भी मकान में बन्दर घूमते देख उन्हें शक हुआ। भीतर जाकर देखा तो, कमरे का दरवाजा टूटा हुआ था। कमरे में रखी अलमारी से चोर सात तोला सोना, डेढ़ किलो चांदी, और दो लाख की नकदी ले गए। चोरो ने अलमारी के दरवाजे को मास्टर चाबी से खोला था। उसमे भीतर रखी दूसरी चाबियों से अलमारी का दरवाजा बंद कर लौक लगा गए। पीड़ित ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार दुबे ने बताया है कि अभी तहरीर प्राप्त नहीं हुई है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

तीन नगरपालिकाओं में दोहराया गया भ्रष्टाचार का पैटर्न! धनपुरी में फिर विवादों में सीएमओ पूजा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता
दिनेश चौधरी

शहडोल- राज्य नगरीय सेवा की अधिकारी पूजा बुनकर पर लगातार तीसरी बार भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सिवनी और करेली नगरपालिकाओं में भ्रष्टाचार के मामले सिद्ध होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, और अब धनपुरी नगर पालिका में भी उन्हीं जैसी अनियमितताओं के संकेत सामने आए हैं। कर्मचारियों को पहले वर्दी बांट दी गई, बाद में उसी की 8.72 लाख रुपये की निविदा जारी कर औपचारिकता निभाई गई।

सिवनी से शुरू हुआ भ्रष्टाचार का सिलसिला

सिवनी नगर पालिका में 2 जून 2022 से 1 मार्च 2023 तक सीएमओ रहते हुए पूजा बुनकर पर हाईमास्क व एलईडी लाइट खरीदी, फिनोलिक पाउडर सप्लाई और भुगतान में गड़बड़ियों के आरोप साबित हुए।

जांच में यह पाया गया कि खरीदी में मनमानी से नगर पालिका को करीब 7.16 लाख रुपये का नुकसान पहुंचा। बावजूद इसके, कार्रवाई की फाइल मंत्रालय की अलमारी में ही बंद रह गई। यह पहली घटना थी जिसने विभाग की निष्क्रियता को उजागर कर दिया।

करेली में फिर दोहराया गया वही खेल

अप्रैल से अक्टूबर 2023 के बीच करेली नगर पालिका में पदस्थ रहते हुए पूजा बुनकर ने खरीदी नियमों को फिर ठेंगा दिखाया। जांच रिपोर्ट में पाया गया कि 37 बार एक लाख की सीमा से अधिक भुगतान किए गए, कई बार बिना स्वीकृति के 20 हजार से ऊपर राशि दी गई। साथ ही, 15 टेबल बिना निविदा प्रक्रिया के खरीदे गए, जिससे लगभग 2.28 लाख रुपये का अतिरिक्त व्यय हुआ।इन आरोपों की पुष्टि के बाद 9 अक्टूबर 2024 को विभाग ने आरोप पत्र जारी किया, पर कार्रवाई आज तक नहीं हुई।

धनपुरी में तीसरा अध्याय पहले वर्दी, बाद में निविदा!

अब धनपुरी नगर पालिका में भी वही कहानी दोहराई जा रही है। यहां कर्मचारियों को वर्दी पहले ही बांट दी गई, जबकि बाद में उसी की 8.72 लाख रुपये की निविदा 10 अक्टूबर को जारी की गई। स्थानीय लोगों ने सवाल उठाया कि जब वर्दियां पहले ही दी जा चुकी थीं, तो निविदा प्रक्रिया बाद में क्यों?

लोकायुक्त छापे से बढ़ा विवाद

हाल ही में लोकायुक्त रीवा की टीम ने धनपुरी नगर पालिका में 3000 रुपये की रिश्वत लेते एक कर्मचारी को रंगेहाथ पकड़ा। इस प्रकरण से जुड़ा एक ऑडियो वायरल हुआ है, जिसमें 'मैडम' शब्द के उल्लेख से सीएमओ पूजा बुनकर का नाम फिर सुर्खियों में है।हालांकि ऑडियो में 'मैडम' से आशय उन्हीं से है या किसी अन्य से, यह स्पष्ट नहीं, पर इससे नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्न उठे हैं।

ईओडब्ल्यू जांच की मांग तेज

पूजा बुनकर पर सिवनी और करेली दोनों स्थानों पर आरोप सिद्ध होने के बावजूद कार्रवाई न होना, और अब धनपुरी में वही पैटर्न दोहराया जाना, पूरे नगरीय प्रशासन की साख पर प्रश्नचिन्ह है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से मांग की है कि वह इन तीनों नगरपालिकाओं के मामलों की संयुक्त जांच करे।

विफल साबित हुआ भूमि पूजन- करकटी

सरपंच सचिव के रवैये से परेशान ग्राम पंचायत

बुढार जनपद सोहागपुर के ग्राम पंचायत करकटी में बीते 10 सालों में ग्राम पंचायत में विकास के नाम पर केवल लुटाई चली और कुछ नहीं, आपको बता दे कि यहाँ की सरपंच के भ्रष्टाचार और सचिव की राजनीति ने जनपद पंचायत को ही कटघरे में खड़ा कर दिया हैं। जहाँ विकास के नाम पर कार्य तो अनेक हुए हैं पर कोई भी मटेरियल सही नहीं मिला ।

भूमि पूजन में नहीं पहुँचे ग्रामीण

ग्राम करकटी जनपद पंचायत सोहागपुर में साउथ ईस्टर्न कोल फील्ड्स सोहागपुर के संयोजन एवं उनके सी. एस.आर. फंड से 60.35 लाख से बनने जा रही सी.सी. रोड के भूमि पूजन कार्यक्रम में एक भी ग्रामीण नहीं पहुँचे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शहडोल सांसद हिमांद्री सिंह नहीं पहुँचे। जिससे नाराज ग्रामीणों ने कार्यक्रम में न पहुंच कर अपनी कड़ी नाराजगी जाहिर किए हैं। आपको बता दे कि ग्रामीणों ने काफी विरोध के बाद भी सचिव ने 11 सालों से अपना डेरा जमा कर बैठ गया हैं।

यह यूक्रेन युद्ध से भी ज्यादा मुश्किल था, Trump ने फिर भारत-पाक संघर्ष को सुलझाने का श्रेय लिया

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत-पाक संघर्ष को सुलझाने का दावा करते हुए कहा कि यह यूक्रेन युद्ध से भी ज्यादा चुनौतीपूर्ण था, हालांकि बाद में उन्होंने रूस-यूक्रेन संघर्ष को सबसे मुश्किल बताया। इस विरोधाभासी बयान पर भारत ने तुरंत प्रतिक्रिया दी, जहां विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के बिना ही दोनों देशों के बीच सीधी बातचीत से शांति स्थापित हुई थी। यह दर्शाता है कि ट्रंप अपनी उपलब्धियों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर पेश करते हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर दावा किया है कि इस साल की शुरुआत में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को समाप्त करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अपनी एशिया यात्रा पर रवाना होने से पहले, ट्रंप ने एयर फोर्स वन में मीडिया से बात करते हुए यह दावा किया और दुनिया भर के संघर्षों को सुलझाने का श्रेय खुद को दिया।

ट्रंप ने कहा कि उन्हें लगता है कि भारत और पाकिस्तान जैसे अन्य संघर्षों को समाप्त करना रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को सुलझाने से भी ज्यादा मुश्किल होगा। ट्रंप ने कहा, 'मैंने इसे (युद्धविराम) रुकवाया और भी हैं। अगर आप भारत और पाकिस्तान को देखें, तो मैं कह सकता हूं कि मेरे द्वारा किए गए लगभग हर समझौते को रूस और यूक्रेन से ज्यादा मुश्किल माना जाता, लेकिन यह उस तरह से नहीं हुआ। रूस-यूक्रेन का संघर्ष सुलझाना सबसे चुनौतीपूर्ण है।'

इस महीने की शुरुआत में, ट्रंप ने अपने टैरिफ की धमकियों को 'असली शांतिदूत' बताते हुए दावा किया था कि इनके बिना वह आठ वैश्विक संघर्षों को 'हल' नहीं कर पाते। ट्रंप बार-बार यह दावा करते रहे हैं कि उन्होंने कथित तौर पर वाशिंगटन की मध्यस्थता से हुई बातचीत के बाद परमाणु-सशस्त्र पड़ोसी भारत और पाकिस्तान के बीच 'पूर्ण और तत्काल' युद्धविराम कराने में मदद की।

भारत ने खारिज किया दावा

हालांकि, भारत सरकार ने राष्ट्रपति ट्रंप के इन दावों को बार-बार खारिज किया है। भारत का रुख स्पष्ट है कि शत्रुता को रोकने का निर्णय बिना किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता के, दोनों पक्षों के बीच हुई सीधी बातचीत के माध्यम से लिया गया था।

अमेरिका बोला- भारत की कीमत पर पाकिस्तान से दोस्ती नहीं:भारतीय डिप्लोमेसी में समझदारी, उन्हें पता है कई देशों से रिश्ते रखने पड़ते हैं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने शनिवार को कहा कि अमेरिका, पाकिस्तान के साथ अपने रिश्ते को मजबूत करना चाहता है, लेकिन भारत की कीमत पर नहीं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रुबियो ने बताया कि अमेरिका और पाकिस्तान पहले से ही आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करते रहे हैं, लेकिन इससे भारत के साथ उसकी अच्छी दोस्ती को कोई नुकसान नहीं होगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या भारत ने अमेरिका-पाकिस्तान की नजदीकी पर चिंता जताई, तो रुबियो ने कहा कि भारतीय डिप्लोमेसी में समझदारी है। वे जानते हैं कि हमें कई देशों से रिश्ते रखने पड़ते हैं। उनके भी कुछ देशों से रिश्ते हैं। यह समझदारी भरी विदेश नीति का हिस्सा है।

पाकिस्तान से फिर रणनीतिक दोस्ती बनाना चाहते हैं

पाकिस्तान के साथ अमेरिका के रिश्तों पर एक पत्रकार ने सवाल किया कि क्या यह दोस्ती इसलिए बढ़ी क्योंकि अमेरिका और राष्ट्रपति ट्रम्प ने भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध रोकने में मदद की। इस पर रुबियो ने कहा कि नहीं, मुझे लगता है हमने इससे पहले ही पाकिस्तान से बात शुरू की थी। हम उनके साथ रणनीतिक दोस्ती फिर से बनाना चाहते हैं। हमें लगता है कि हम कई चीजों पर एक साथ काम कर सकते हैं।

रुबियो बोले- हमारा काम दोस्ती का रास्ता ढूंढना

रुबियो ने कहा- हमें पता है कि भारत-पाकिस्तान के बीच पुराने तनाव हैं, लेकिन हमारा काम है कि जितने देशों के साथ हो सके, दोस्ती के रास्ते ढूंढें। हम पाकिस्तान के साथ आतंकवाद के खिलाफ काम करते आए हैं और अब इसे और बढ़ाना चाहते हैं, लेकिन यह भारत या किसी और के साथ हमारे अच्छे रिश्तों की कीमत पर नहीं होगा। रुबियो ने आगे कहा कि मुझे लगता है कि पाकिस्तान के साथ हम जो कर रहे हैं, वह भारत के साथ दोस्ती को नुकसान नहीं पहुंचाएगा।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद मजबूत हुए पाकिस्तान-अमेरिका के रिश्ते

इसी साल मई में भारत के ऑपरेशन सिंदूर के बाद पाकिस्तान और अमेरिका के रिश्ते काफी मजबूत हुए हैं। ट्रम्प ने 10 मई को दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने का दावा किया था, पाकिस्तान ने इस दावे का सपोर्ट किया और ट्रम्प को नोबेल के लिए नॉमिनेट भी किया।

वहीं, जून में पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर ने ट्रम्प से सीक्रेट मुलाकात की थी। इसके बाद सितंबर में शहबाज शरीफ और मुनीर ने व्हाइट हाउस में ट्रम्प के साथ बैठक की थी, इस बैठक में शरीफ ने ट्रम्प को शांति दूत कहा था।

अमेरिका को बलूचिस्तान में पोर्ट बनाने का प्रस्ताव

पाकिस्तानी सेना प्रमुख आसिम मुनीर के सलाहकारों ने इसी महीने अमेरिका से बलूचिस्तान में एक पोर्ट डेवलप करने का प्रस्ताव शेयर किया था। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक पाकिस्तान चाहता है कि अमेरिकी निवेशक बलूचिस्तान के पसनी शहर में अरब सागर के किनारे एक नया पोर्ट डेवलप करके चलाएं।

प्रस्ताव में साफ कहा गया है कि यह बंदरगाह सिर्फ व्यापार और खनिजों के लिए है। अमेरिका को यहां सैन्य बेस बनाने की इजाजत नहीं होगी। पासनी, ग्वादर पोर्ट (चीन का बंदरगाह) से सिर्फ 112 किमी दूर है। यह बंदरगाह अमेरिका को पाकिस्तान के महत्वपूर्ण खनिजों जैसे तांबा और एंटीमनी तक आसान पहुंच देगा।

पिछले साल दोनों देशों में 10 अरब डॉलर का व्यापार हुआ

2024 में अमेरिका और पाकिस्तान के बीच 10.1 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था, जो 2023 के मुकाबले 6.3% ज्यादा है। अमेरिका ने 2.1 अरब डॉलर का सामान एक्सपोर्ट किया और 5.1 अरब का इम्पोर्ट किया। अमेरिका का व्यापार घाटा 3 अरब डॉलर रहा। ट्रम्प ने पाकिस्तान पर 19% टैरिफ लगाया है, जबकि भारत पर 50% टैरिफ लगाया है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अमेरिका, पाकिस्तान को चीन से दूर रखने की कोशिश कर रहा है।

साहित्य चेतना समाज ने आयोजित किया सामान्य ज्ञान, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिता

● बच्चों को भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करता है साहित्य चेतना समाज - डॉ. नीरज त्रिपाठी

बच्चों के बौद्धिक विकास के लिए आवश्यक हैं प्रतियोगिताओं का आयोजन - अमरनाथ तिवारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर। साहित्य चेतना समाज की मीरजापुर इकाई के तत्वावधान में आज मीरजापुर नगर के भरुहना चौराहा स्थित विन्ध्यवासिनी महाविद्यालय में सामान्य ज्ञान,निबन्ध एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चार वर्गों में आयोजित इन प्रतियोगिताओं में कनिष्ठ वर्ग में कक्षा चार से छह,मध्यम वर्ग में कक्षा सात व आठ,ज्येष्ठ वर्ग में कक्षा नौ व दस एवं वरिष्ठ वर्ग में कक्षा ग्यारह व बारह में अध्ययनरत विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इन प्रतियोगिताओं में नगर सहित सुदूर ग्रामीण अंचल के सैकड़ों विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतियोगिता प्रभारी कवयित्री व लेखिका सृष्टि राज ने बताया कि विंध्यवासिनी महाविद्यालय के अध्यक्ष, साहित्यकार, ख्यातिलब्ध चिकित्सक डा.नीरज त्रिपाठी इन प्रतियोगिताओं के लिए परीक्षा नियंत्रक हैं। प्रतियोगिताओं को पूरी शुचिता एवं पारदर्शिता के साथ सकुशल व सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु प्रधान कार्यालय गाजीपुर से साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी और संगठन सचिव प्रभाकर त्रिपाठी पूरे समय परीक्षा केंद्र पर उपस्थित रहे।

डॉ. नीरज त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों को साहित्य चेतना समाज भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करता है। साहित्य चेतना समाज की मिर्जापुर इकाई के प्रभारी आनन्द अमित, प्रतियोगिता प्रभारी सृष्टि राज सहित, आनन्द केशरी, केदारनाथ सविता, कुलभूषण पाठक, विजय कुमार श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, श्रीमती सारिका चौरसिया, श्रीमती नन्दिनी वर्मा, अनिल कुमार चौरसिया और मयंक ने परीक्षा को सुचारु रूप से सम्पन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

साहित्य चेतना समाज द्वारा मिर्जापुर में पिछले वर्ष 2024 में इन प्रतियोगिताओं के आयोजन का प्रारंभ किया गया था। इस वर्ष पिछले वर्ष की तुलना में दुगुना बच्चों ने प्रतिभाग किया। लगभग 20 विद्यालयों के डेढ़ सौ बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में चयनित बच्चों को भव्य समारोह में पुरस्कृत किया जायेगा। गाजीपुर से आए साहित्य चेतना समाज के संस्थापक अमरनाथ तिवारी ने बताया कि साहित्य चेतना समाज लगातार 40 वर्षों से प्रतियोगिताओं का आयोजनगाजीपुर में करवा रही है। जहां हजारों बच्चे प्रतिभाग करते हैं। मिर्जापुर में पिछले वर्ष लगभग 85 बच्चों ने प्रतिभाग किया था इस वर्ष यह संख्या बढ़कर 150 हो गई है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से बच्चों के बौद्धिक विकास के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु बच्चों को तैयार करने का प्रयास हो रहा है।

लॉरेंस गैंग का कुख्यात गैंगस्टर लखविंदर सिंह गिरफ्तार, अमेरिका से डिपोर्ट कर लाया गया

● एसटीएफ टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के कुख्यात गैंगस्टर लखविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। उसे अमेरिका से डिपोर्ट करके लाया गया। लखविंदर पंजाब में हत्या और जबरन वसूली के मामलों में शामिल था। वह लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था। पुलिस उससे गिरोह के अन्य सदस्यों के बारे में पूछताछ कर रही है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गुरुग्राम। एसटीएफ टीम ने लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए काम करने वाले लखविंदर सिंह को गिरफ्तार किया है। इसे अमेरिका से डिपोर्ट कर भारत लाया गया। इसके बाद इसे दिल्ली एयरपोर्ट से गिरफ्तार कर लिया गया। यह मूल रूप से कैथल के तीतराम गांव का रहने वाला है।

यह 2020 में अपने पासपोर्ट पर जर्मनी चला गया था। यहां इसने जनरल स्टोर और पार्ट टाइम टैक्सी ड्राइवर का काम किया। इसी दौरान यह लॉरेंस बिश्नोई के लिए काम करने वाले संपत नेहरा के संपर्क में आया। उसके जरिए ही वह लॉरेंस के भाई अनमोल बिश्नोई से मिला। अनमोल बिश्नोई के कहने पर यह अमेरिका गया और गिरोह के लिए काम करने लगा। इसके विरुद्ध कुरुक्षेत्र, सोनीपत, रोहतक, यमुनानगर और कैथल जिले में रंगदारी मांगने के मामले दर्ज हैं। अंबाला जिले में रंगदारी और जानलेवा हमले का भी एक केस है।इस पर हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में रंगदारी मांगने के मामले हैं। इसके विरुद्ध सात दिसंबर 2023 को लुक आउट सर्कुलर और 26 दिसंबर 2024 को रेड कॉर्नर नोटिस हरियाणा ने एसटीएफ ने जारी करवाया था।

एसटीएफ एसपी विक्रांत भूषण ने बताया कि आरोपित को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी। इससे इसके गिरोह के बारे में जानकारी ली जाएगी। एसपी ने बताया कि विदेश जाने से पहले इस पर कोई मामला नहीं था। वहां जाने के बाद यह लॉरेंस बिश्नोई गिरोह के लिए काम करने लगा और कई मामलों में इसका नाम सामने आया।

हर साल सात लाख नवजातों की मौतः भारत में जन्म के बाद भी देखभाल की कमी बनी चुनौती, विश्व रैंक ने बढ़ाई चिंता

नई दिल्ली। भारत में हर साल सात लाख से अधिक नवजात शिशु जन्म के 28 दिनों के भीतर दम तोड़ देते हैं, जो दुनिया में होने वाली लगभग 23 लाख नवजात मौतों का 30 प्रतिशत है। यानी विश्व के हर तीन में से एक नवजात मृत्यु भारत में होती है। दिल्ली में यह आंकड़ा हर एक हजार जीवित जन्मों पर 14 नवजात मौत का बताया जाता है। यह स्थिति देश में जन्म के बाद शिशुओं की देखभाल और मातृ सहयोग में गंभीर कमी के कारण है। इसे ध्यान में रखते हुए भारत सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और यूनिसेफ ने मिलकर 'गर्भ के बाद भी स्नेहपूर्ण देखभाल' कार्यक्रम आरंभ किया है। जिसका उद्देश्य नवजातों विशेषकर अल्पवज़न और बीमार बच्चों के प्रारंभिक मानसिक, भावनात्मक और शारीरिक विकास को प्रोत्साहित करना है। इस पहल को देश में नवजात मृत्यु दर घटाने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार की ओर से इसके लिए स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि वे शिशुओं की देखभाल में स्पर्श, सुकून व संवेदना को प्राथमिकता दें। आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सम्मेलन में नीति आयोग के सदस्य प्रो. विनोद के पाल, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय की डा. सुनीता शर्मा और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान

भागवत कथा के श्रवण से पापों का उद्धार होता है

● रीवा में भागवत सप्ताह का आयोजन।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रीवा मध्य प्रदेश। रीवा में भागवत सप्ताह का आयोजन किया गया है जो 24 अक्टूबर से शुरू होकर1 नवंबर तक चलेगा। भागवत कथा के आयोजक भारत गुप्ता के परिवार द्वारा किया गया है। मानक भवन में आयोजित इस कथा में जगदुरु वल्लभाचार्य जी ने कहा की ऋषियों का श्राप कभी मिथ्या नहीं होता है।चाहे वह जितना भी बड़ा राजा ही क्यों ना हो। लेकिन उसको अपने कर्मो का फल भोगना ही पड़ता है। पांडव वंश के आखरी वंशज राजा परीक्षित जब सिंहासन पर बैठे तो उन्हें भी अपने किए गए कर्मो का फल भोगना पड़ा। और एक ऋषि के श्राप से मृत्यु से नहीं बच पाए। उन्होंने उस ऋषि की तपस्या को खंडित करने के लिए मरे हुए सांप को उनके गले में डाल दिया था और जब ऋषि का ध्यान टूटा तो उन्होंने इस दृष्टता के लिए राजा परीक्षित को श्राप दे दिया ।यही सांप तुम्हें 7 दिन के अंदर डसेगा और उसी से तुम्हारी मौत होगी।

राजा परीक्षित ने ऋषि के श्राप से बचने के लिए सारे प्रयास किया और पूरा राजतंत्र लग गया राजा परीक्षित को बचाने के लिए इसके बावजूद भी यमराज के रूप में वह सांप माला के फूल में जाकर उनके सिंहासन पर पहुंचा और उन्हें डस लिया जिससे राजा परीक्षित की मृत्यु हो गई। जगदुरु वल्लभाचार्य जी ने यह भी बताया की श्राप से भयभीत होकर अपने मोक्ष की प्राप्ति के लिए सुखदेव जी से राजा परीक्षित ने राय लिया तो उन्होंने कहा की राजा आपके पास 7 दिन ही बचा है इसमें केवल आप भागवत सप्ताह की कथा का श्रवण करें तो आपको मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है और दूसरा कोई उपाय नहीं है और उन्होंने भागवत में वर्णित

भगवान कृष्ण की लीला का बखान किया और उन्होंने से सत्कर्मों की व्याख्या की। इसलिए भागवत की कथा मनुष्य के मोक्ष का साधन का ग्रंथ बन गया है। और हर मनुष्य अपने अंतिम समय में भागवत की कथा का श्रवण अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा मृत्यु सत्य है किसी कीमत पर उससे कोई बच नहीं सकता लेकिन भागवत की कथा सुनने से उसे मोक्ष की प्राप्ति जरूर हो जाएगी। इस अवसर पर गुप्ता का परिवार तथा रीवा के सैकड़ो भक्तगण कथा में भाग लेकर कथा का आनंद उठा रहे हैं।

बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्लीवालों की बढ़ेगी परेशानी, NDMC और MCD ने की पार्किंग रेट दोगुना करने की तैयारी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में वायु गुणवत्ता स्तर बेहद खराब स्थिति में है। इसके कारण ग्रेप दो की पाबंदियां लगी हुई है। इन पाबंदियों में स्थानीय निकायों को लोग सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करें और निजी वाहनों का उपयोग कम करें, इसको प्रोत्साहित करना होता है। इसके लिए सार्वजनिक पार्किंग के दामों को चार गुणा तक करने नियम है। इस नियम को लागू करने के लिए नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) और एमसीडी ने इसकी तैयारी कर ली है। एनडीएमसी के एक अधिकारी ने बताया उनके पास 128 पार्किंग साइट कनाट प्लेस समेत विभिन्न स्थानों पर संचालित हैं। चूंकि ग्रेप दो में पार्किंग के दाम बढ़ाने होते हैं। इसलिए हम इससे संबंधित प्रस्ताव तैयार कर रहे हैं। सक्षम प्राधिकारी से इसकी मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा। बीते वर्ष भी एनडीएमसी ने यही कार्य किया था। एनडीएमसी के लिए यह लागू करना आसान भी रहता है क्योंकि वह अपने ही कर्मचारियों के जरिये पार्किंग का संचालन करता है। वहीं, एमसीडी फिलहाल पार्किंग के दाम चार गुणा तो नहीं करेगी। क्योंकि पूर्व में सदन से इसकी मंजूरी नहीं मिली थी। एमसीडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि वह एनडीएमसी की तर्ज पर पार्किंग के दाम दोगुणा करने की तैयारी कर रहे हैं। ताकि शहर में पार्किंग के दाम को लेकर एकरुपता रहे। उन्होंने बताया कि फिलहाल एमसीडी 400 के करीब पार्किंग का संचालन करता है। इसमें सभी पार्किंग ठेकेदारों के माध्यम से चलाई जाती हैं।

हापुड़: गला घोंटकर हत्या करने वाले गैंग के सदस्यों पर गैंगस्टर एक्ट, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

● गला घोंटकर हत्या करने वाले गैंग पर गैंगस्टर एक्ट

पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ दर्ज किया मुकदमा

सभी आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

हापुड़ (धौलाना)। कपूरपुर पुलिस ने सुनियोजित ढंग से गिरोह बनाकर हत्या करने वाले चार लोगों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार पांडेय ने बताया कि थाना क्षेत्र के गांव पारपा निवासी रोहताश सिंह पुत्र हरि सिंह ने अपने भाई सोनू, सतीश पुत्र जयवीर और साजिद पुत्र शाकिर के साथ मिलकर एक संगठित गिरोह बनाया हुआ है। पुलिस के अनुसार, इसी वर्ष जनवरी माह में रोहताश सिंह और उसके साथियों ने अपने गिरोह की मदद से गांव के ही बलवीर सिंह की गला घोंटकर हत्या कर दी थी। हत्या के बाद आरोपियों

ने शव को धौलाना क्षेत्र में राजवाहे के पास छुपा दिया था। इस घटना से पूरे गांव और आसपास के क्षेत्र में भय का माहौल बना हुआ है।